संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 05
पृष्ठ 8
शनिवार
20 सितंबर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बदलते मौसम में इम्यूनिटी का...
विचार- श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए वही श्राद्ध है
खेल- श्रीलंका ने अफगानिस्तान को...

राम मंदिर का सपना हुआ साकार, देश की अर्थव्यवस्था हुई मजबूत

विराट युवा सम्मेलन में सीएम योगी ने ये कहा-

मथुरा, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फरह स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में प्रतिभाग करने पहुंच गए हैं। वे हेलिकॉप्टर से दीनदयाल धाम के हेलिपैड पर उतरे। परिसर में आयोजित विराट युवा सम्मेलन को संबोधित किया। विराट युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज का युवा नौकरी देना वाला बन रहा है। भारत एक नई अर्थव्यवस्था के साथ उभर रहा है। पीएम मोदी ने कश्मीर को स्वर्ग बनाने का काम किया है। लोग कहते थे कि राम मंदिर कभी नहीं बनेगा, लेकिन डबल इंजन की सरकार ने यह कर दिखाया। सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्वदेशी मॉडल अपनाने का सपना था। यह भी सपना पीएम मोदी ने साकार किया। विदेशी हुकूमतों ने देश की अर्थव्यवस्था की जड़ों को खोखला कर दिया था। लेकिन पीएम मोदी के आने बाद देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। पंडित दीनदयाल धाम में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित होने वाले स्मृति महोत्सव मेला का बृहस्पतिवार को आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री योगी भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए पहुंचे। सम्मेलन की सफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कई दिन से यहां कैंप किए हुए हैं।

त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि पंडित दीनदयाल धाम में आयोजित स्मृति महोत्सव में मुख्यमंत्री के आगमन के दृष्टिगत त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस, पीएसी के साथ ही यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है। आयोजन में भाग लेने के लिए आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्किंग व्यवस्था की गई है। समारोह स्थल के आसपास यातायात डायवर्जन भी किया जाएगा।

सैनिकों और सेनाओं को किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने देगी सरकार : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 की लड़ाई में पाकिस्तान को धूल चटाने वाले सैनिकों से बातचीत करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि मातृ भूमि की रक्षा करने वाले हर सैनिक का सम्मान तथा कल्याण सरकार की प्राथमिकता है और सैनिकों तथा सेनाओं को किसी संसाधन की कमी महसूस नहीं होने देगी। श्री सिंह ने 1965 की लड़ाई के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में इस लड़ाई में दम खम दिखाने वाले अधिकारियों और जवानों को शुक्रवार को यहां संबोधित किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों तथा सेवारत सैनिकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें सम्मान से लेकर सैन्य साजो सामान तक किसी भी चीज की कमी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा , आज जब मैं अपने वेटरन्स के बीच हूँ, तो मैं एक संकल्प भी आपके समक्ष दोहराना चाहता हूँ । वह संकल्प यह है, कि चाहे वह सेवारत सैनिक हों, वेटरन्स हों या हमारे शहीदों के परिवारजन, हमारी सरकार के लिए हर किसी का सम्मान और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। सेनाओं का आधुनिकीकरण हो, प्रशिक्षण हो, या उपकरणों का उन्नयन हो, यह सब हम इसलिए कर रहे हैं, कि हमारा जवान कभी संसाधनों की कमी महसूस न करे। इस अवसर पर 1965 की लड़ाई के बाद वीर चक्र से सम्मानित अधिकारियों लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) सतीश नाम्बियार और मेजर आर एस बेदी तथा इस लड़ाई में अपने जौहर दिखाने वाले अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि 1965 का युद्ध सिर्फ़ एक छोटा–मोटा संघर्ष नहीं था बल्कि वह भारत की ताकत की परीक्षा थी। उस दौर में जो परिस्थितियाँ थीं, उसे देखते हुए पाकिस्तान ने यह सोचा कि वह घुसपैठ से गुरिल्ला लड़ाई से और अचानक हमलों से भारत को डरा देगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत के जवानों की भावना और ताकत का पता नहीं था कि वह देश की मिट्टी की रक्षा के लिए क्या कुछ

कर सकता है। श्री सिंह ने 1965 के युद्ध के दौरान फिलौरा, चाविंडा और अन्य लड़ाईयों में सेनाओं के पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की हिम्मत तोड़ दी। सेनाओं ने साबित कर दिया कि युद्ध, टैंकों से नहीं, बल्कि हौसले और दृढ प्रतिज्ञा से जीता जाता है। असल उत्तर की लड़ाई और उसमें अपनी बहादुरी से दुश्मन के अनेकों टैंकों को भस्म करने वाले परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस लड़ाई और इस रणबांकुरें के रणकौशल ने यह सिखाया कि हथियारों से वीरता का पता नहीं चलता बल्कि सैनिकों के दिल से पता चलता है । उन्होंने कहा, वह पल हर भारतीय के सीने को गर्व से चौड़ा कर देता है। उनकी वीरता हमें सिखाती है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी साहस, संयम और देशभक्ति का संगम, असंभव को संभव बना सकता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शस्त्री की इच्छाशक्ति को जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ष कोई भी युद्ध केवल रणक्षेत्र में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में जो विजय मिलती है, वह पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का फल होता है। वर्ष 1965 के उस कठिन समय में, जब चारों ओर अनिश्चितता और चुनौतियाँ थीं, तब श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व में देश ने उन चुनौतियों का सामना किया। शास्त्री जी ने उस दौर में न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व दिया, बल्कि पूरे देश के मनोबल को ऊँचाई तक पहुँचाया। उन्होंने एक ऐसा नारा दिया जो आज भी हमारे हृदय में गूंजता है, जय जवान, जय किसान। इस एक नारे में हमारे वीर सैनिकों के सम्मान के साथ–साथ हमारे अन्नदाताओं का गौरव भी शामिल था। रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से ही राष्ट्र के रूप में भारत अपने पड़ोसियों के मामले में उतना भाग्यशाली नहीं रहा है। हमेशा देश के समक्ष किसी न किसी तरह से चुनौतियां आई हैं। लेकिन भारतवासियों की यही विशेषता है, कि वे चुनौतियों को प्रारब्ध मानकर नहीं बैठ गए। हमने मेहनत की और अपने प्रारब्ध का निर्माण, अपनी नियति का निर्माण खुद किया।

पाकिस्तान में मुझे घर जैसा फील होता है... राहुल के अकंल सैम ने बयान से बढ़ाया बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के विदेश मामलों के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अपने उस बयान से नया विवाद खड़ा कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान यात्रा के दौरान उन्हें घर जैसा महसूस हुआ। इस टिप्पणी पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ हुईं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर इस्लामाबाद के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने विदेश नीति पर अपनी टिप्पणियों से एक बहस छेड़ दी है। उन्होंने भारत से अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल के साथ

मज़बूत संबंधों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। अपने निजी अनुभव साझा करते हुए, पित्रोदा ने कहा कि मैं पाकिस्तान गया हूँ और आपको बता दूँ कि मुझे वहाँ घर जैसा महसूस हुआ। मैं बांग्लादेश गया हूँ, मैं नेपाल गया हूँ और मुझे वहाँ घर जैसा महसूस होता है। उन्होंने समान जीन पूल और सांस्कृतिक समानताओं को घनिष्ठ संबंधों का आधार बताया, साथ ही आतंकवाद और हिंसा जैसी चुनौतियों को भी स्वीकार किया। शांति और सद्भाव की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, पित्रोदा की टिप्पणियों की भाजपा द्वारा तीखी आलोचना किए जाने की उम्मीद है, जिसने पहले कांग्रेस पर पाकिस्तान के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और इसे बेवजह सहानुभूति का सबूत बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, ष्राहुल गांधी के चहेते और कांग्रेस के विदेश प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में श्घर जैसाश महसूस हुआ। कोई आश्चर्य नहीं कि यूपीए ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तान का चहेता, कांग्रेस का चुना हुआ!

चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा फिर से शुरू, डीजीसीए ने रिव्यू करने के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 2025 की चार धाम यात्रा के लिए 15–16 सितंबर से हेलीकॉप्टर सेवाओं को फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है, पीटीआई ने एक आधिकारिक बयान के हवाले से बताया। मानसून के दौरान उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण ये सेवाएँ निलंबित कर दी गई थीं। सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने के

लिए, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ देहरादून और दिल्ली दोनों जगहों पर कई समीक्षा बैठकें कीं। इन चर्चाओं में डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, उत्तराखंड राज्य सरकार और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) शामिल थे। मंत्री के निर्देशों के बाद, डीजीसीए ने 13 से 16 सितंबर के बीच गहन निरीक्षण किया। इस ऑडिट में सभी हेलीपैड, हेलीकॉप्टर, संचालकों की तैयारी और सहायक बुनियादी ढाँचे को शामिल किया गया। समीक्षा के बाद, यूसीएडीए और हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाताओं को अपना परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी गई।

जाति-धर्म छोड़ो! तेजस्वी बोले- बिहार में अब सिर्फ विकास की नई राजनीति होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को कहा कि वह नई राजनीति के लिए यहाँ आए हैं। उन्होंने जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की राजनीति करने का आह्वान दोहराया। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी रैलियों की तस्वीरें साझा करते हुए, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने कहा कि वह विकास, सुधार, समृद्धि और उद्योग की राजनीति के लिए यहाँ आए हैं। यादव ने कहा कि मैं नई राजनीति करने आया हूँ। जहाँ जाति और धर्म की बात न हो, बल्कि हर क्षेत्र में विकास, सुधार, समृद्धि और उद्योग की बात हो। बिहार में प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश बढ़ाने पर चर्चा हो। जहाँ सकारात्मकता, रचनात्मकता, प्रगतिशीलता और गुणात्मक परिवर्तन राजनीति का आधार बनें। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्यव्यापी अभियान शुरू करने वाले राजद नेता ने खगड़िया ज़िले की एक रैली सहित अपनी हालिया रैलियों के वीडियो पोस्ट किए।

ईवीएम पर कांग्रेस का हल्ला बोल : दिग्विजय बोले-

मतपत्र से कराओ चुनाव, हैकर्स का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के नए वोट चोरी के आरोपों के बाद, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में धांधली का आरोप लगाया और मतपत्रों को वापस लाने की मांग की। ग पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए, जिसमें दुनिया भर में चुनावों में हेरफेर करने के लिए इज़राइली सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का दावा किया गया था, कांग्रेस नेता ने

भारत में मतदान की निष्पक्षता पर संदेह जताया। कांग्रेस ने लिखा कि क्या हम आज के उन्नत तकनीक के युग में देश के चुनावों को हैकर्स के हवाले कर सकते हैं? ज़रा सोचिए। क्या हमें भारत के चुनाव मतपत्रों, यानी वोटिंग पेपर का उपयोग करके नहीं कराने चाहिए? सिंह ने मांग की कि वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों को मतदाताओं को सौंप दिया जाए। एक्स पोस्ट में लिखा था कि या क्या हमें ईवीएम की वीवीपीएटी पर्चियाँ अपने हाथों में नहीं देनी चाहिए? क्या यह /छब्दकपं की /म्बिटम्ब्द से मांग है? क्या यह मांग जायज़ नहीं है?

शराब के लिए रुपये नहीं देने पर तमंचे की बट से हमला

प्रयागराज। एयरपोर्ट थानाक्षेत्र के असरावे कला निवासी मोहम्मद मसूर सिद्दीकी के भांजे को कुछ युवकों ने शराब के लिए रुपये नहीं देने पर पिटाई कर घायल कर दिया। मोहम्मद मसूर सिद्दीकी ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि 16 सितंबर को उसका भांजा शादाब बाजार दूध खरीदने गया था। आरोप है कि शुभम व कमल अपने दो अज्ञात साथियों के साथ शादाब को रोककर शराब के लिए रुपये मांगने लगे। शादाब ने इनकार किया, तो तमंचा के बट से सिर पर प्रहार कर जख्मी कर दिया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। उधर, धूमनगंज के झलवा निवासी विजय चौहान की बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीनकर फरार हो गए। विजय ने पुलिस को बताया कि छह सितंबर की सुबह ट्रिपलआईटी रोड ग्रामीण बैंक के सामने सड़क पर अचानक बाइक सवार दो बदमाश आए और मोबाइल छीनकर भाग गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों की तलाश कर रही है।

अधिवक्ता पर हमला, गोली मारने की धमकी

प्रयागराज। धूमनगंज के झलवा निवासी अधिवक्ता आदर्श शुक्ला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नितिन और कृष ने घर के दरवाजे के पास उनसे मारपीट की। इससे उनका सिर फट गया। पुलिस से शिकायत करने पर आरोपियों ने दूसरी बार हमला कर सिर फोड़ दिया गया। घर में घुसकर उनकी मां, पत्नी व परिवार की अन्य महिला सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। गोली मारने की धमकी भी दी है। धूमनगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। उधर, करेली के सुल्तानपुर भावा निवासी राजिया यास्मीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह वर्तमान में समीम खान के मकान में किराए में रहती है। आरोप है कि मकान मालिक शमीम खान, उसके पुत्र अब्दुल्ला खान, मुस्तफा ने गाली गलौज करते हुए रजिया व उसके बच्चों को पीट दिया। सामान की भी तोड़फोड़ की गई। करेली पुलिस चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हुए उदय प्रताप सिंह

प्रयागराज। ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशन, दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित समारोह में चांसलर, संगोल यूनिवर्सिटी (सिक्किम) एवं निदेशक, ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज उदय प्रताप सिंह को विशेष सम्मान पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें और अधिक जिम्मेदारी के साथ समाज एवं राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करती है।

भाषण प्रतियोगिता में सरस्वती और वीर विक्रम अव्वल

प्रयागराज। इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड सोशल साइंस में हिंदी पखवाड़ा दिवस का सफल आयोजन किया गया। 'हिंदी साहित्यकारों की सामाजिक सुधार में भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं विभिन्न शैक्षणिक–सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। भाषण में सरस्वती और वीर विक्रम सिंह ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में वीर विक्रम सिंह को प्रथम स्थान मिला। वर्गवार प्रतियोगिता गरिमा मालवीय, अदिति सिंह, वेदांत अग्रवाल, शुभी कसौधन अव्वल रहीं। मुख्य अतिथि प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह तथा विशेष अतिथि पूर्व आईजी एवं डायरेक्टर कविंद्र प्रताप सिंह रहे। प्राचार्य अजीत सिंह ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए छात्रों को हिंदी भाषा के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

पुल के एक लेन की मरम्मत पूरी, हटाई गई बेरीकेडिंग

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद सेतु (फाफामऊ पुल) के सात एक्पेंशन ज्वाइंट की मरम्मत का कार्य 10 सितंबर से शुरू हुआ था। पुल की साढ़े सात मीटर चौड़ाई की शहर से फाफामऊ की ओर जाने वाली लेन की मरम्मत का कार्य गुरुवार सुबह समाप्त हुआ। इसके बाद बेरीकेडिंग को हटाकर उसे दोपहिया वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया गया। पीडब्ल्यूडी के राष्ट्रीय मार्ग खंड के अधिशाषी अभियंता रविंद्र पाल सिंह व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में दूसरी लेन के ज्वाइंट के हिस्से के आसपास खोदने का कार्य शुरू कराया। सुबह बेरीकेडिंग हटाने और ड्रिल मशीन को दूसरी ओर रखने की वजह से पुल पर कई बार भीषण जाम लगा। अधिशाषी अभियंता ने बताया कि दो से तीन दिनों के भीतर खोदाई के बाद कंक्रीट डालने का कार्य कराया जाएगा। हमारा प्रयास है कि 25 सितंबर तक ज्वाइंट की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जाए। हालांकि नौ दिनों में एक लेन की मरम्मत कार्य पूरा हुआ है, ऐसे में दूसरी लेन में भी इतना ही समय लग सकता है। इस वजह से 15 दिनों की समय सीमा में काम पूरा होना मुश्किल दिख रहा है।

पिछले साल से कम सीटों पर होगा पीएचडी में दाखिला

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में इस बार पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया कम सीटों पर होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कैंपस और संबद्ध कॉलेजों से सीटों का ब्योरा जुटा लिया है और प्रवेश संबंधी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष 800 से अधिक सीटों पर ही दाखिला लिया जाएगा। जबकि शैक्षिक सत्र 2024 में कुल 1182 सीटों के सापेक्ष आवेदन आमंत्रित किए गए थे। यानी इस बार करीब चार सौ सीटें कम होंगी। विशेष बात यह है कि इस बार विश्वविद्यालय कैंपस की सीटें कॉलेजों से अधिक होंगी। पहले कई बार कॉलेजों में ज्यादा सीटें मिलती थीं, लेकिन इस बार कैंपस की स्थिति मजबूत है। इस बार पीएचडी में दाखिला यूजीसी नेट के स्कोर पर होगा। इसके लिए अलग से लिखित परीक्षा नहीं कराई जाएगी। पीएचडी प्रवेश की आवेदन प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है। आवेदन ऑनलाइन लिए जाएंगे।

22 और 24 सितंबर को निरस्त रहेगी बापूधाम एक्सप्रेस

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन से मुजफ्फरपुर जाने वाली बापूधाम एक्सप्रेस 22 और 24 सितंबर को निरस्त रहेगी। बताया जा रहा है कि गोरखपुर–डोमिनगढ़ रेलखंड में तीसरी लाइन के नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से ही 14111/14112 बापूधाम एक्सप्रेस को निरस्त किया जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि इसके अलावा 25 सितंबर को प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलने वाली 11037 पुणे–बढ़नी एक्सप्रेस मऊ तक ही जाएगी।

मऊ से ही 27 सितंबर को 11038 बढ़नी–पुणे एक्सप्रेस की

भानवी ने दिया राजा भैया के खिलाफ 'सबूत', अक्षय बोले– हथियारों की तस्वीरें एडिटेड, कहानी मनगढ़ंत

प्रयागराज। यूपी के प्रतापगढ़ जिले की कुंडा सीट से बाहुबली विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह के बीच चल रहा विवाद गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। भानवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर ऑडियों और तीस्वीरें पोस्ट करके दावा किया है कि राजा भैया के पास खतरनाक हथियारों का जखीरा है और उनके अवैध संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच कराई जाए। उन्होंने दावा किया कि मैंने पर्याप्त सबूत जांच एजेंसियों को दिए हैं और 15 दिन में जांच पूरी की जा सकती है।

भानवी ने एडिटेड तस्वीरें पोस्ट कीं

इन आरोपों का जवाब देते हुए राजा भैया के भाई और डस्ू अक्षय प्रताप सिंह ने कहा है कि भानवी सिंह की ओर से पेश की गईं तस्वीरें एडिटेड हैं। उन्होंने पूछा कि हथियारों की वो तस्वीरें उनसे कहां से आईं, खासकर तब जब भानवी सिंह पिछले 10 वर्षों से परिवार से अलग रह रही हैं। आज तक के मुताबिक, अक्षय प्रताप ने यह भी कहा कि ऑडियो रिकॉर्डिंग की बात को जरूरत से ज्यादा तूल दिया जा रहा है, आवेश में आकर कोई भी कुछ कह सकता है, इसे बड़ा

मुद्दा नहीं बनाना चाहिए।

एक्स पर जारी अपने बयान में भानवी सिंह ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक चुप रहकर अपने परिवार की इज्जत बचाने की कोशिश की, लेकिन हाल ही में अक्षय प्रताप ने इंटरव्यू में उन्हें पागल कहा, जिसके बाद अब वह मजबूर होकर सच्चाई सार्वजनिक कर रही हैं। भानवी सिंह ने अपनी और अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि अक्षय प्रताप जानबूझकर मीडिया के सामने उनके दिल्ली स्थित घर का जिक्र कर रहे हैं।

गृह मंत्रालय दे चुका है जांच के आदेश

इससे पहले भानवी सिंह 3 जून को पीएमओ से भी अपने पति के पास खतरनाक हथियारों का जखीरा होने की शिकायत कर चुकी हैं। उनके आरोपों के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय में आंतरिक सुरक्षा डिवीजन के आर्म्स सेक्शन ने यूपी के गृह विभाग के प्रमुख सचिव और आर्म्स लाइसेंसिंग यूनिट के जॉइंट कमिश्नर को भानवी के आरोपों की चिट्ठी भेजकर समुचित कार्रवाई करने कहा है।

राजा भैया और भानवी सिंह अलग रहते हैं और दोनों के बीच कई तरह के विवाद चल रहे हैं। दिल्ली की अदालत में तलाक का भी केस चल रहा है, जिसमें भानवी ने राजा भैया पर अवैध संबंध रखने और उनसे मारपीट करने का आरोप लगाया है। भानवी ने पीएमओ से शिकायत में कहा है कि राजा भैया आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं और उनके पास अवैध और जनसंहारक हथियारों का जखीरा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके लाइसेंसी हथियार भी जबरन छीन लिया गया है और उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

सीबीआई जांच की भी मांग की

भानवी ने कहा, श्मैं केवल जांच एजेंसियों से निष्पक्ष जांच चाहती हूं। जो सबूत मैंने दिए हैं, वे अपने आप प्रमाण देते हैं। नई अपराध न्याय संहिता में वैज्ञानिक तरीकों से जांच की व्यवस्था मोदी और अमित शाह ने कर दी है। फॉरेंसिक जांच करा लीजिए, 15 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं हो तो सीबीआई जांच करा लें। हिम्मत हो तो खुद अक्षय प्रताप यह मांग करें कि पूरे मामले की सीबीआई जांच हो, जिससे यह साबित हो जाए कि सच क्या है।

रानी रेवती देवी कॉलेज को दोहरी सफलता

रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर के खिलाड़ियों ने विद्या भारती की 36वीं क्षेत्रीय बास्केटबाल एवं कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। बास्केटबाल प्रतियोगिता में कॉलेज की टीम अंडर–14 एवं अंडर–17 बालक वर्ग में विजेता और अंडर–19 बालक एवं अंडर–17 बालिका वर्ग में उपविजेता रही। कराटे में अंडर–19 वर्ग में मोंटी कुमार ने बाजी मारी। दोनों प्रतियोगिताएं लखनऊ में आयोजित की गईं। कॉलेज के संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता के अनुसार अंडर–14 बालक टीम में वैभव, प्रियांशु, विनीत, उत्सव, सक्षम, आयुष एवं ऋतिक, अंडर–17 टीम में शिवम, रामअंश, ईशान, दिव्यांश, समीर, आर्यन, श्रेष्ठ, कृष्णा, कुमार कार्तिकेय एवं जय और अंडर–19 टीम में आशुतोष, ऋषभ, सार्थक, उमंग, राज, प्रज्ज्वल, लकी, शांतनु, चेतन एवं सृजिल शामिल रहे।

अंडर–17 बालिका टीम का प्रतिनिधित्व जूही, अश्विनी, रितिका, रंजना, अंबिका एवं पल्लवी ने किया। विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ी अब अखिल भारतीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। बालकों की प्रतियोगिता

ज्वाला देवी इंटर कॉलेज प्रयागराज और बालिकाओं की प्रतियोगिता सुजानगढ़ चुरु राजस्थान में होगी। कॉलेज के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने वंदना सभा में सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। विमल दुबे, संतोष तिवारी, प्रवीण द्विवेदी, रुचि चंद्रा, सत्य प्रकाश पांडेय आदि उपस्थित रहे। ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा में सौ खिलाड़ी सफल प्रयागराज। पंडित राम चंद्र मिश्र पब्लिक स्कूल पीपलगांव में हुई द्विमासिक ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। अलग–अलग कलर बेल्ट में सौ खिलाड़ी सफल रहे। ताइक्वांडो प्रशिक्षक अनुराग सिंह के अनुसार परीक्षा में कौशाम्बी ताइक्वांडो वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव कामेश शर्मा, नकुल तिवारी, आशीष आर्य, आकाश सोनी, अनिल सिंह, दिलीप कुमार, विजय यादव एवं राजेश भगत ने निर्णायक का दायित्व निभाया। उद्घाटन मैच में एमबियंस स्ट्राइकर्स विजयी प्रयागराज। एमबियंस स्ट्राइकर्स ने मुस्लिम बोर्डिंग फुटबाल प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में द ग्रीन वॉरियर्स 3–0 से हराया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुस्लिम बोर्डिंग छात्रावास मैदान पर गुरुवार को शुरू हुई प्रतियोगिता में अम्मार, अरमान और नेहाल ने गोल किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुस्लिम बोर्डिंग हाउस के अधीक्षक डॉ. इरफान खान ने किया। पांच किमी. की नमो मैराथन दौड़ 21 को प्रयागराज। क्षेत्रीय खेल कार्यालय के तत्वावधान में पांच किलोमीटर की नमो मैराथन दौड़ 21 सितंबर को सुबह साढ़े छह बजे चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर–3 से शुरू होगी। विभिन्न मार्ग से होकर यह दौड़ पार्क के गेट नंबर–6 से होते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में समाप्त होगी। इच्छुक धावक/धाविकाएं 20 सितंबर को सुबह 10 बजे से स्टेडियम में प्रविष्टि दे सकते हैं।

कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले समाधान विकसित कर सकते हैं स्टार्टअप्स

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियंत्रण विभाग की ओर से तीन दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अगली पीढ़ी के नेटवर्क और लागू कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एनजीएनडीएआई–2025) का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. एके मिश्र रहे। डॉ. आदित्य निगम (आईआईटी मंडी) ने 'गहन अधिगम में मूलभूत प्रतिरूप रू बड़े स्तर पर सक्षम अनुकूलन विषय पर उद्घाटन व्याख्यान दिया। कैनबरा युनिवर्सिटी की प्रो. गिरीजा चेत्ती ने कहा कि भविष्य मल्टीमॉडल जेनरेटिव एआई का है, जिसमें टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो, वीडियो और 3डी डेटा एक साथ प्रोसेस होंगे। डॉ. आदित्य निगम ने कहा कि फाउंडेशनल मॉडल आधुनिक एआई की रीढ़ बन चुके हैं और स्वास्थ्य, वित्त एवं शिक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप्स इनके माध्यम से कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले समाधान विकसित कर सकते हैं। नेटवर्क्स के विकास पर मनीष बाजपेयी ने कहा कि 'एआई दिमाग है तो नेटवर्क उसकी रक्तधारा। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में नेटवर्क एआई को गति देने के साथ–साथ स्वयं भी और अधिक स्मार्ट बनेंगे। इसके बाद प्रो. गिरिजा चेट्टी ने 'बहु–आयामी सृजनात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता रू अवसर और चुनौतियां पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। दिनभर चले तकनीकी सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन अधिगम, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, धुंध और किनारा संगणन, सॉफ्टवेयर–परिभाषित स्मार्ट नेटवर्क और मस्तिष्क–प्रेरित संगणन जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। कुल छह सत्रों में 30 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर प्रो. गिरिजा चेट्टी (कैनबरा विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया), निदेशक एवं मुख्य अध्यक्ष प्रो. एमएम गोरे, प्रो. नीरज त्यागी, प्रो. मयंक पांडेय, डॉ. दीपक गुप्ता उपस्थित रहे।

किसी को नौकरी का झांसा, तो किसी को लिंक भेजकर साइबर ठगी

प्रयागराज। साइबर अपराधी नए–नए हथकंडे अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। किसी को घर बैठे नौकरी का झांसा तो किसी को फर्जी लिंक भेजकर बैंक खातों से लाखों रुपये उड़ा दिया गया। साइबर ठगी के लगातार एफआईआर दर्ज होने के बाद भी सिलसिला जारी है। न्याय विहार कॉलोनी सुलेमसराय निवासी बृजेश कुमार मिश्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका और उनकी पत्नी का संयुक्त बैंक खाता है। दोनों के बैंक खाते से साइबर अपराधी चार बार में दो लाख रुपये निकाल लिया। उनके पास मैसेज आने पर रुपये कटने की जानकारी हुई। बैंक के पता चला कि विशाल पाटिल नामक युवक के बैंक खाते पर रुपये भेजी गई है। वहीं झूंसी के सोनौटी निवासी रामखेलावन के मोबाइल पर लिंक भेजकर 95 हजार रुपये की साइबर ठगी कर ली गई। उन्होंने झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज नहीं होने पर डीसीपी नगर से लिखित शिकायत की। इसके बाद झूंसी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। तहरीर के अनुसार, चार सितंबर को कई नंबरों से फोन आने के बाद लिंक भेजकर बैंक खाते से रुपये निकाल लिए गए। उधर, तिलकनगर अल्लापुर की तुषा त्रिपाठी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि घर बैठे नौकरी का झांसा देकर दो किश्तों ने 50 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराया गया। लेकिन, न तो नौकरी मिली और न ही रुपये वापस किए गए। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने पर 20 हजार रुपये खाते में होल्ड हो गया। जार्जटाउन पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

जिले में 60 हजार लोगों को अपने गांव में मिला प्रमाणपत्र

प्रयागराज। आमजन की सुविधा के लिए ग्राम सचिवालय में बनाए गए सहज सुविधा केंद्र का लाभ 60 हजार 223 नगारिकों को मिल गया है। आय–जाति–निवास–जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों के लिए उन्हें दर–दर भटकना नहीं पड़ रहा है। इसी केंद्र पर आवेदन करते ही उन्हें प्रमाणपत्र मिल जाता है। आय–जाति–निवास–जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए अब तक ग्रामीणों को ब्लॉक मुख्यालय और तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। निचले कर्मचारियों के न रहने की दशा में कई बार एक प्रमाणपत्र मिलने में महीनों लग जाते थे। आम ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए प्रदेश सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक तैनात करने के निर्देश दिए थे। यहां पर तमाम प्रमाणपत्रों को भी ऑनलाइन करने की सुविधा दी गई। जिसका लाभ अब तक 60 हजार 223 लोग ले चुके हैं। इस योजना में प्रति प्रमाणपत्र 30 रुपये शुल्क लिया जाता है। अब तक 60 हजार 223 आवेदन होने से पंचायती राज विभाग को 18 लाख रुपये की आय भी प्राप्त हो चुकी है। कोरांव में योजना का लिया सर्वाधिक लाभ योजना के तहत सर्वाधिक 7046 लोगों ने कोरांव ब्लॉक में लाभ लिया है।

बहरिया में 5107, मऊआइमा में 4720, बहादुरपुर में 4411, करछना में 4177, मेजा में 3874, फूलपुर में 3653, जसरा में 3576,

प्रयोगशाला बिना स्कूल नहीं बनेंगे परीक्षा केंद्र

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में केंद्र निर्धारण को लेकर नियम–कानून सख्त होने जा रहे हैं। बोर्ड की ओर से शासन को केंद्र निर्धारण नीति के लिए जो प्रस्ताव भेजा जा रहा है उसमें उन स्कूलों को केंद्र नहीं बनाने की सिफारिश की गई है जहां प्रयोगशाला नहीं है या क्रियाशील नहीं है। विज्ञान वर्ग की मान्यता वाले स्कूलों में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की प्रयोगशालाएं होना आवश्यक है। वहीं मानविकी वर्ग की कक्षाएं संचालित करने वाले जिन स्कूलों में कंप्यूटर, भूगोल और गृह विज्ञान विषय पढ़ाया जा रहा है वहां इन विषयों की प्रयोगशालाएं होनी चाहिए।

बोर्ड को शिकायत मिली है कि कई स्कूलों में विषय की मान्यता तो है लेकिन या तो प्रयोगशाला ही नहीं है या फिर वह क्रियाशील नहीं है। तमाम प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरण,

केमिकल्स वगैरह की खरीद नहीं होती और उनमें बच्चों ने सालों से कदम नहीं रखा है। ऐसे में बच्चों को सैद्धांतिक ज्ञान भले ही दिया जा रहा हो लेकिन प्रयोगात्मक ज्ञान से पूरी तरह से वंचित हैं। जबकि मान्यता की शर्त में क्रियाशील प्रयोगशाला होना आवश्यक है। इसे गंभीरता से लेते हुए बोर्ड सचिव भगवती सिंह की ओर से प्रयोगशाला को केंद्र निर्धारण के लिए आवश्यक शर्त बनाए जाने की संस्तुति की जा रही है। 2025 की बोर्ड परीक्षा में प्रयोगशाला को लेकर कोई दिशा–निर्देश नहीं थे। 2026 की बोर्ड परीक्षा के लिए ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने वाले स्कूलों को भी केंद्र निर्धारण में वरीयता देने का प्रस्ताव भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल 18 सितंबर को केंद्र निर्धारण नीति जारी हो गई थी। इस साल कक्षा 10 और 12 के पंजीकरण पूरे हो चुके है और 20 सितंबर तक वेबसाइट पर ऑनलाइन त्रुटि संशोधन हो रहा है।

सूचना के अधिकार में दी गई गलत जानकारी, प्रतिकूल प्रविष्टि

प्रयागराज। सोरांव तहसील के गारा राजापुर गांव में सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी सचिव मिथिलेश मिश्र ने गलत दी। जिस पर डीडीओ जीपी कुशवाहा ने सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर एक सप्ताह में शिकायत को ठीक करने का निर्देश दिया। ऐसा न होने पर सचिव के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। गारा राजापुर गांव के आशीष कुमार शुक्ल ने गांव में रीबोरिंग पर हुई कार्यवाही की जानकारी मांगी थी। जिस पर एक आरटीआई दाखिल की गई, जिसका जवाब नहीं दिया गया। फिर आशीष ने प्रथम अपीलीय अधिकारी के यहां वाद दाखिल किया। जिसके बाद डीडीओ जीपी कुशवाहा ने उन्हें नोटिस देकर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा। सचिव भी मौके पर थे। आशीष के नाम से आए आवेदन पर उन्होंने कहा कि रानी की ओर से पत्र प्राप्त हुआ है। जबकि कहा कि जमीन रीबोर योग्य नहीं है। बताया जा रहा है कि गांव में रीबोर के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल किया गया है। जबकि लोगों ने अपने पास से पैसा लगाकर रीबोर कराया है। डीडीओ ने बताया कि आरोप गंभीर था और जो सूचना दी गई वो गलत थी। जिस पर सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर एक सप्ताह में सुधार के लिए कहा गया है। नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

बजट के इंतजार में कार्य की गति न धीमी करें: डीएम

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने गुरुवार को जल जीवन मिशन की समीक्षा काम की धीमी गति पर नाराज डीएम ने काम को तेज गति से करने के लिए कहा। उन्होंने एलएनटी, गजा इंजीनियरिंग, वीपीआरपीएल तीनों कार्यदायी

संस्थाओं को तल्ख निर्देश दिए कि बजट के इंतजार में कार्य की गति न धीमी करें। उन्होंने एलएंडटी को कहा कि जिन राजस्व ग्राम में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, वहां किसी भी दशा में जलापूर्ति बाधित न हो। यदि लीकेज की समस्या आए तो उसे ठीक कराएं। डीएम ने जिलास्तरीय अधिकारी ब्लॉकवार जो नोडल बनाए गए हैं, उनसे हर 15 दिन में मौके की रिपोर्ट मांगी है। बैठक में अनुपस्थित विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता के खिलाफ आख्या भेजने को कहा है। सभी काम की थर्ड पार्टी से जांच के निर्देश भी दिए हैं।

आखिर बार–बार कौन रच रहा साजिश

प्रयागराज। बार–बार रेलवे ट्रैक पर आपत्तिजनक चीजें मिलने से खुफिया एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। दरअसल एक साल से लगातार रेलवे ट्रैक पर आपत्तिजनक वस्तुओं को रखा जा रहा है। इस तरह की साजिश या शरारत करने वाले इतने शातिर हैं कि अभी तक पकड़े नहीं जा सके हैं। इस घटना से पहले पांच अप्रैल को फाफामऊ–अटरामपुर रेलखंड में गद्दोपुर ज्ञानकुंज कॉलोनी के सामने रेलवे ट्रैक पर किसी ने सोलर लाइट का खंभा रख दिया था। भोर में लगभग चार बजे ऊंचाहार की ओर से मालगाड़ी जा रही थी। लोको पायलट संजय शर्मा की नजर खंभे पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए।

उस वक्त भी लोको पायलट ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर मालगाड़ी रोकी। आरपीएफ ने अज्ञात में केस दर्ज किया लेकिन पता नहीं चला कि किसी ने शरारत की थी। इस बार भी रेलवे ट्रैक पर स्लीपर रखा गया है। रात के अंधेरे में किसने रखा, यह पता नहीं चला। आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा न होने से अराजक तत्वों का सुराग नहीं लगा है।

मंडलायुक्त को अफसरों ने दी विदाई

सीएमपी डिग्री कॉलेज में कवि सम्मेलन और नुक्कड़ नाटक का आयोजन

प्रयागराज। सी एम पी डिग्री कॉलेज हिंदी विभाग प्रयागराज द्वारा 'हिंदी पखवाड़ा' कार्यक्रम के अंतर्गत आज कवि सम्मेलन और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन के इस कार्यक्रम में सीएमपी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका मिला जिसमें लगभग तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपनी कविता प्रस्तुत की ।

कुछ विद्यार्थियों की रचनात्मकता में स्त्री जीवन के प्रसंग देखने को मिल रहा था तो कई विद्यार्थियों ने सामाजिक

विडंबनाओं को अपने काव्य में प्रस्तुत किया। छात्रों की रचनात्मकता प्रेम, विरह और इलाहाबाद जैसे विषयों पर मुख्यतः केंद्रित थी।

सस्वर गायन वाली कविताओं पर श्रोताओं से खूब वाहवाही मिली। कवि सम्मेलन के इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती कोरी ने किया जबकि निर्णायक के रूप में डॉ. रमाशंकर सिंह एवं डॉ.राजेंद्र यादव मौजूद थे। इस अवसर पर प्रो वाई पी सिंह हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय का वक्तव्य भी आयोजित किया गया । अपने वक्तव्य में प्रो सिंह ने हिंदी भाषा के उज्ज्वल भविष्य की बात कही और बताया कि तकनीक के इस युग में हिंदी निरंतर प्रगति कर रही है। हिंदी भाषा की बोलियों और उनके उपलब्ध साहित्य को विकसित और उसे व्यापक रूप में प्रयोग किए जाने की बात भी आपने अपने वक्तव्य में कही।

हिन्दी विवाद का नहीं, वाद का विषय हैश पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक का निर्देशन डॉ. पूजा गौड़ ने किया । इस नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से हिंदी भाषा को लेकर विविध पूर्वाग्रहों पर व्यंग्यात्मक तरीके से बात की गई। इस कार्यक्रम में प्रो सरोज सिंह प्रो आभा त्रिपाठी प्रो दीनानाथ के अलावा डॉ रंजीत सिंह, डॉ. प्रेमशंकर के अलावा विभाग के अलावा छात्र मौजूद थे।

डॉ. सीमा वर्णिका को सरहद पार भूटान में मिला अंतर्राष्ट्रीय भूटान भारत साहित्य शिरोमणि अवार्ड

थिम्फू, भूटान। थिम्फू में आयोजित हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर 11 सितम्बर से 17 सितम्बर तक चले भूटान भारत साहित्य महोत्सव में कानपुर की सीमा वर्णिका को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों तथा उत्कृष्ट रचनाधर्मिता पर मिले दो

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान, पहला अंतर्राष्ट्रीय भूटान भारत साहित्य शिरोमणि अवार्ड–2025 तथा अंतर्राष्ट्रीय भूटान भारत साहित्य रत्न सम्मान–2025. इस कार्यक्रम में भारत के अतिरिक्त भूटान के साहित्यकारों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। भारत देश के कोने–कोने से साहित्यकार वहाँ पहुँचे थे। प्रमुख आयोजक श्री विजय पंडित ने सबका आभार ज्ञापित किया।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की विशेष पहल

फिट इंडिया अभियान में होगा साइकिल राइड पर्यटन विभाग 21 सितंबर को 'संडे ऑन साइकिल' का कर रहा आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। पहल फिटनेस बढ़ावा देने के साथ सक्रिय जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। लखनऊ स्थित पर्यटन भवन से 21 सितंबर को 'संडे ऑन साइकिल' की शुरुआत होगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने आमजन और स्वास्थ्य के प्रति सजग लोगों को अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 21 सितंबर के प्रातः 6.30 बजे पर्यटन भवन गोमती नगर लखनऊ से संडे ऑन साइकिल अभियान की शुरुआत होगी। पर्यटन विभाग ने नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी साइकिल लेकर समय से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें और इस फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सरकार नागरिकों की स्वास्थ्य और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देने को प्राथमिकताओं में शामिल कर रही है। संडे ऑन साइकिल अभियान के माध्यम से न केवल फिटनेस को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन जागरूकता का संदेश भी दे रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी साइकिल के साथ इस अभियान का हिस्सा बनें और फिट इंडिया अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें।विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम लखनऊवासियों के लिए एक अनूठा अवसर है।

राज्य संग्रहालय में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत प्रश्नोत्तरी और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। राज्य संग्रहालय लखनऊ संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के अंतर्गत आज पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा एवं निदेशक राज्य संग्रहालय लखनऊ के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया गया। पौधारोपण एवं स्वच्छता में श्रमदान दिया गया।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति (पुनर्गठित) का प्रथम स्थापना दिवस धूमधाम से सम्पन्न

दिवंगत पत्रकारों को सम्मान और पत्रकारिता के मूल्यों पर गहन चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति (पुनर्गठित) का प्रथम स्थापना दिवस आज विश्वेश्वरैया सभागार, लोक निर्माण विभाग, राजभवन के सामने बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर सुषमा खर्कवाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया, वहीं मंजू माही ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को मंगलमय बना दिया।

इस मौके पर राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। समारोह को पत्रकारिता के महान पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी और बाबूराव विष्णु पराड़कर को समर्पित किया गया, जिनकी लेखनी ने आज़ादी के दौर में अंग्रेजों को चुनौती दी थी।

सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि पत्रकार कलम के सिपाही हैं और उनकी समस्याओं को समाधान दिलाने के लिए सूचना विभाग हर संभव सहयोग करेगा। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार भास्कर दुबे ने कहा कि समिति आने वाले दिनों में पत्रकारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर लड़ाई लड़ने का कार्य करेगी।

समिति के संयोजक प्रभात त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारों की पेंशन व्यवस्था को नियमित और पारदर्शी बनाया जाएगा। साथ ही, पीजीआई में पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार केवल कलम नहीं चलाते, बल्कि समाज की आवाज़ बनकर जनता के मुद्दों को सामने लाते हैं। इसलिए सरकार और संस्थाओं को चाहिए कि पत्रकारों के हित में ठोस कदम उठाएं, ताकि वे निडर होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

पूर्व प्रेस काउंसिल सदस्य रजा रिजवी ने पत्रकारों की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि आपसी एकता ही पत्रकारों के हितों की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत पत्रकार धीरेंद्र श्रीवास्तव के परिवार को सहयोग राशि और सम्मान प्रदान किया गया। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि भविष्य में दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को सहयोग और सम्मानित करने की परंपरा को जारी रखा जाएगा।

दूरदर्शन के अधिकारी आत्म प्रकाश मिश्र ने भारतीय पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत ने पत्रकारों की बदौलत विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं, मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है, जो न केवल जनता की आवाज बनती है बल्कि अधिकारियों की कमियां उजागर कर समाज को नई दिशा भी देती है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद लोकसभा बिजनौर शीश राम सिंह रवि ने कहा कि पत्रकार समाज का एक दर्पण है। पत्रकारों को जो मेहनताना मिलता है वह उनके परिवार की जीविकापार्जन करने के लिए नाकाफी है। पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मैं खुद माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मिलूंगा।

अंत में प्रशासनिक सलाहकार शेखर श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पत्रकारों के हितों की मांगों को मुख्यमंत्री तक लगातार पहुँचाया जा रहा है। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन विक्रम राव ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अजीत कुमार सिंह, धनंजय सिंह ,अजय श्रीवास्तव, उमेश चंद्र मिश्रा,सर्वजीत सूर्यवंशी,दया विष्ट, हरजीत सिंह बाबा, परमजीत सिंह,विजय प्रकाश शुक्ला आदि लखनऊ समेत जिले के सैकड़ों पत्रकार सभागार में मौजूद रहे।

सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि विभाग में ओरिएंटेशन दिवस कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। विधि विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज ने बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए बड़े उत्साह और आत्मीयता के साथ एक ओरिएंटेशन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित छात्रों को शैक्षणिक वातावरण, संस्थागत संस्कृति और उनके विधि–शिक्षा के दौरान उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत कोर्स कोऑर्डिनेटर श्रीमती रेनु सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने छात्रों को अपनी शुभकामनाएँ देते हुए अनुशासन, निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ विधि अध्ययन के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने पाठ्यक्रम की संरचना और स्वरूप को समझाया तथा यह बताया कि कॉलेज उन्हें समग्र विकास के लिए अनेक अवसर प्रदान करेगा। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने सभा को संबोधित करते हुए समकालीन समय में विधि–शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को ज्ञान, योग्यता, आलोचनात्मक सोच तथा नैतिक मूल्यों से स्वयं को सुसज्जित करने के लिए प्रेरित किया, जो एक सफल विधिक करियर के लिए आवश्यक हैं। उनके प्रेरक शब्दों ने छात्रों को समर्पण और जिम्मेदारी के साथ पाठ्यक्रम अपनाने के लिए उत्साहित किया।

कॉलेज के मुख्य अनुशासन अधिकारी प्रो. संजय सिंह ने आगे अनुशासन और ईमानदारी के महत्व पर बल दिया तथा छात्रों को अध्ययन और सह–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने व्यावसायिक आचरण और चरित्र निर्माण की भूमिका पर ज़ोर देते हुए इसे उनके उज्जवल भविष्य की नींव बताया।

इसके पश्चात कॉलेज के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रजत श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में छात्रों को उनके समग्र विकास हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक और सह–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। अंत में, बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) के अध्यापकों कृ श्री हिमांशु उपाध्याय, डॉ. बबीता श्रीवास्तव एवं श्री विनय त्रिपाठी कृ ने छात्रों को पाठ्यक्रम की यात्रा को सुगमता से पूरा करने के लिए मार्गदर्शन एवं प्रेरणा दी।

श्रीमती अनुश्री पांडेय द्वारा संयोजित इस ओरिएंटेशन का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ, जिससे छात्र प्रेरित, जागरूक और अपने शैक्षणिक सफ़र की शुरुआत को लेकर उत्साहित हुए। इस ओरिएंटेशन सत्र में कॉलेज की करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. रुचिका वर्मा द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल था। उन्होंने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने हेतु ऑनलाइन की बजाय मानवीय संपर्कों में अधिक संलग्न होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र से हुआ जिसमें छात्रों ने डॉ. रुचिका वर्मा से तनाव, अध्ययन और व्यक्तिगत विकास से संबंधित प्रश्न बड़ी सक्रियता से पूछे। सत्र का समापन कोर्स कोऑर्डिनेटर श्रीमती रेनु सिंह द्वारा प्रस्तुत आभार ज्ञापन से हुआ।

आरेडिका में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली चिकित्सालय में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत 17 सितम्बर को "स्वस्थ अल्प्पाहार प्रतियोगिता" आयोजित हुई, जिसका उद्घाटन महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा के कर कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रीमती आभा जैन ने पौधा भेंट कर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गृहिणियों द्वारा प्रस्तुत कम चीनी, कम नमक एवं पौष्टिक अल्पाहार ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती मेघना के. आर., द्वितीय स्थान श्रीमती रिया चक्रवर्ती तथा तृतीय स्थान श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव को प्राप्त हुआ। डॉ. भूमिका सिंह, आहार विशेषज्ञ, ने ष्संतुलित आहारष् पर एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने वर्तमान समय में असंतुलित आहार से उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर प्रकाश डाला। 18 सितम्बर को "स्वास्थ्य परीक्षण शिविर" का आयोजन टेंडर पाम हॉस्पिटल,

लखनऊ के सहयोग से हुआ। इसमें 164 मरीजों का परीक्षण के साथ–साथ 05 पीएपी–सीमर एवं 28 बोन मिनरल डेंसिटी जांचें की गईं। पीएपी–सीमर का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर की समय रहते पहचान करना था, जबकि बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट महिलाओं में हड्डियों की समस्याओं की जांच हेतु महत्वपूर्ण है।

19 सितम्बर को "एक स्वस्थ जीवन की रीढ़" (स्पाइन हेल्थ) विषय पर डॉ. अजय जवाहर (के.एन.एस. मेमोरियल हॉस्पिटल) ने व्याख्यान दिया। उन्होंने महिलाओं में रीढ़ संबंधी समस्याओं के कारण, निवारण और सही जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आयोजित स्वास्थ्य चर्चा में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने प्रश्नों के समाधान पाए। महिलाओं में शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। अर्जुन अवार्डी एवं पद्मश्री श्रीमती सुधा सिंह ने वॉकथॉन (पैदल चाल प्रतियोगिता) का शुभारंभ किया। 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में श्रीमती मुन्नी देवा, श्रीमती भारती मिश्रा और श्रीमती बीना तिवारी विजेता रहीं, वहीं 50 वर्ष से कम आयु वर्ग में श्रीमती ललितेश, श्रीमती साधना और श्रीमती सोनी कुमारी को पुरस्कार मिले।

अभियान की सभी गतिविधियों ने महिलाओं में न केवल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाई, बल्कि आत्मविश्वास और सहभागिता की भावना भी प्रबल की। महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस सफल आयोजन में आरेडिका चिकित्सालय के चिकित्ध्सकों एवं कर्मचारियों का सक्रिय योगदान रहा। आरेडिका परिवार हमेशा की तरह उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

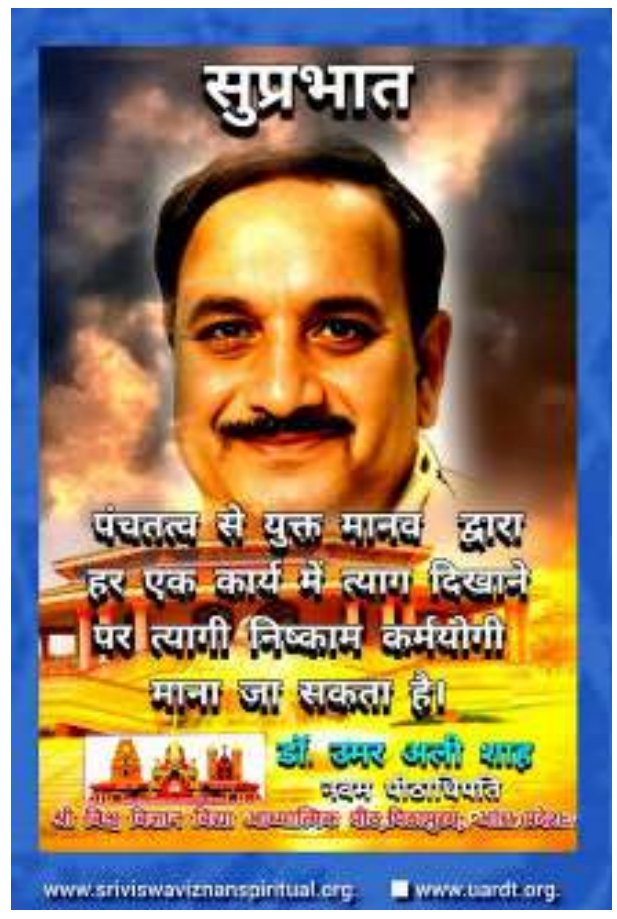

चमेली कहते इसको

(कुण्डलिया)

निर्मलता मासूमियत, सदाचार आचार।
सभी चमेली फूल के, हैं पावन आधार।
हैं पावन आधार, अर्थ नाना हैं इसके।
श्वेत रंग के पुष्प,पास रहते प्रिय बनके।
सुन लो कहें प्रदीप, देख इसकी पवित्रता।
पंखुरियों में महक, भाव में है निर्मलता।

बेहद नाजुक फूल है, खुशबू से भरपूर।
तारों के आकार का, है यह अति मनसूर।
है यह अति मनसूर, चमेली कहते इसको।
तीखी मधुर सुगन्ध, इत्र बन भाती सबको।
सुन लो कहें प्रदीप, देखकर सब हैं गदगद।
मल्लिका जैसा रूप, रंग है सुन्दर बेहद।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं वित्ताधिकारी ने विद्यार्थियों को दिया खेल का पुरस्कार

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज में खेल दिवस पर आयोजित हुए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण कुलसचिव एवं वित्ताधिकारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव कादर नवाज़ खान ने कहा कि यहां आने के बाद उन्हें लगा कि यह केंद्र एक छोटा सा परिवार जैसा है, शिक्षक और विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोई भी काम हो उसमें जिजीविषा का भाव बनाए रखिए। विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। वित्ताधिकारी पी. एस. सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र को आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम की

अध्यक्षता करते हुए केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि हमारे पास संसाधनों की कमी है पर हौसले की नहीं। हर खिलाड़ी को जोश बना के रखना चाहिए। खेल दिवस पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में समाजकार्य के प्रशांत पांडेय प्रथम, जनसंचार की आयुषी उपाध्याय,फिल्म अध्ययन के हिमांशु चौरसिया द्वितीय स्थान तथा जनसंचार की प्रज्ञा भारती एवं दीक्षा द्विवेदी को तृतीय स्थान मिला। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जनसंचार के दीक्षा द्विवेदी ,द्वितीय प्रज्ञा भारती एवं तृतीय स्थान आयुषी उपाध्याय एवं हिमांशु चौरसिया को मिला। बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजनीति विज्ञान की स्वाति पांडेय, द्वितीय स्थान जनसंचार की दीक्षा द्विवेदी एवं तृतीय स्थान आयुषी उपाध्याय एवं प्रज्ञा भारती को मिला। इस अवसर पर फिल्म अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। यह फिल्म मोहन राकेश द्वारा रचित आधे–अधूरे नाटक के एक दृश्य का सिनेमा रूपांतरण है। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता और स्लोगन प्रतियोगिता के संयोजन डॉ. सत्यवीर मौजूद रहे। रस्सी कूद, नींबू दौड़ और प्लैंक के संयोजक डॉ. यशार्थ मंजुल मौजूद रहे। तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. विजय सिंह मौजूद रही। बैडमिंटन के संयोजक डॉ. अख़्तर आलम मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन समाज कार्य के सहायक आचार्य डॉ. मिथिलेश तिवारी तथा आभार ज्ञापन अनुवाद विभाग के डॉ सत्यवीर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर समीर अवस्थी, जयेंद्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्तव, राहुल, रश्मि, प्रत्यूष, श्रीमती गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, बिरजू प्रसाद, जगजीवनराम प्रजापति, रोहित कुमार, पीतांबर गौतम, अभिषेक कुमार सहित केंद्र के शोधार्थी मीनू त्रिपाठी, दीपेश कुमार एवं विद्यार्थी अनुज, प्रशांत, प्रभात, प्रज्ञा, दीक्षा, आयुषी, स्वाति, राजकुमार, अनन्या, विकलेश उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के 11 पर्यटन साइट बनेंगी 'ईको टूरिज्म आइकान'

वैश्विक पर्यटकों को करेगा आकर्षित : जयवीर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यूपीईटीडीबी विकसित 11 विश्वस्तरीय ईको–टूरिज्म स्थलों को और आकर्षक व पर्यटक–अनुकूल बनाने की तैयारी कर रहा है।पर्यटकों को परिसंपत्तियों में प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक ईको–फ्रेंडली अवसंरचना का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। बोर्ड इन स्थलों को देश के 'ईको–टूरिज्म आइकान' के रूप में तैयार कर रहा है।

सम्पादकीय.....

75वें जन्मदिन का जश्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 75 बरस पूरे किए। यूं तो जब से श्री मोदी सत्ता में आए हैं, तभी से उनकी चाटुकारिता की होड़ व्यापार, मीडिया, फिल्म, खेल आदि क्षेत्रों के नामी लोगों में लगी रही कि कौन कितना बढ़कर उनकी शान में कसीदे कह सकता है। लेकिन सत्ता के तीसरे दौर में तो मानो सारी सीमाएं ही टूट गईं, राजशाही के दौर के चारण–भाट भी इस होड़ में टिक नहीं सकते, जबकि उनका पेशा ही राजा की तारीफ करना होता था। भाजपा ने तो काफी वक्त से इस दिन के खास जश्न की तैयारी की थी। अब नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी या सोनिया गांधी जैसे व्यक्तित्व के तो हैं नहीं, जो कहें कि देश इतनी विपदाओं से गुजर रहा है। कई राज्यों में बाढ़ और बारिश की तबाही है। ऐसे में जन्मदिन में तामझाम न किया जाए। सादगी बरती जाए। अगर मोदीजी ऐसा कह देते तो उनका दस लाख का सोने की जरी से नमो–नमो जड़ा सूट अपनी उपयोगिता पर तरस खाता। लाखों की गाड़ियां, कपड़े, चश्मे और घड़ियां निरर्थक हो जाते। एक चाय बेचने वाला गरीब मां का बेटा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रधानमंत्री बना है, यही भावुक कथा पिछले 11 सालों से बांची जा रही है। इसका पारायण करने के लिए अगर चकाचौंध न दिखाई जाए, तो फिर सब कुछ व्यर्थ हो जाएगा। इसलिए अपने 140 करोड़ परिवारजनों को प्राकृतिक विपदा, बीमारी, बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई इन सब पर रोते हुए छोड़ नरेन्द्र मोदी अपने 75वें जन्मदिन के जश्न की तैयारी देखते रहे।कई महंगे निजी स्कूलों में नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर बच्चों को विशेष काम दिया गया, जिसमें उन्हें बधाई संदेश लिखना था, या ग्रीटिंग कार्ड बनाना था। एक अंग्रेजी अखबार ने अपने पाठकों से मोदीजी के जन्मदिन के लिए विशेष बधाई संदेश आमंत्रित किए। इन सब को देखकर सवाल भी हुए कि क्या हम उ. कोरिया बनने की तरफ बढ़ रहे हैं, जहां तानाशाह किम जोंग उन के इर्द–गिर्द ही सारी गतिविधियां होती हैं और इसमें जनता की आवाज को कुचल दिया जाता है। दरअसल भाजपा इस बात को अच्छे से जानती है कि हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा श्री मोदी ने पूरा नहीं किया तो बीते कुछ सालों से 17 सितंबर को बेरोजगारी दिवस के तौर पर मनाया जाता रहा है। इसमें दो शासनकाल तो किसी तरह निकल गए, लेकिन सत्ता के तीसरे काल में मोदी सरकार घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर आलोचना का शिकार हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीयों को हथकड़ियों में भेजने से लेकर 50 प्रतिशत टैरिफ थोपने और भारत–पाक संबंधों में अड़ंगा डालकर भारत का अपमान कर चुके हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने आज तक उसका प्रतिवाद नहीं किया। चीन के साथ भी दिखावे की नाराजगी के बाद अब दोस्ती बढ़ा ली, जबकि गलवान के 20 शहीदों का इंसाफ नहीं हुआ है। संविधान पर तरह–तरह से आक्रमण बढ़े हैं, अंबेडकर अंबेडकर कहना फैशन बन गया है, ऐसा खुद अमित शाह ने कहा था। इन सबसे नरेन्द्र मोदी की छवि जनता के बीच कमजोर हो चुकी थी। ऐसे में जन्मदिन को आपदा में अवसर की तरह भुनाने की कोशिश हुई। हैशटैग माई मोदी स्टोरी के तहत मुकेश अंबानी, शाहरुख खान, विश्वनाथ आनंद जैसे दर्जनों दिग्गजों ने मोदीजी को जन्मदिन की बधाई दी। बताया जा रहा है कि ये बधाई संदेश भाजपा की आईटी सेल की तरफ से सबको भेजे गए हैं कि इसे ही सारे लोग अपने–अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करें। इसमें अपनी तरफ से जिसे जितनी चाटुकारिता करनी हो, वो कर सकता है, इसलिए मुकेश अंबानी ने यहां तक कह दिया कि जब भारत की आजादी के सौ साल हों, तब भी मोदी भारत की सेवा करते रहें, ऐसी उनकी हार्दिक इच्छा है। वैसे भारतीय संस्कृति में व्यक्ति के जीवन में जिन चार पड़ावों या आश्रमों का उल्लेख किया गया है, उसके मुताबिक अब श्री मोदी को संन्यास आश्रम में प्रवेश करना चाहिए। पैदा होने से 25 बरस की आयु तक ब्रह्मचर्य (छात्र जीवन), फिर 50 बरस तक गृहस्थ (पारिवारिक जीवन), 75 बरस तक वानप्रस्थ (वन में रहकर तपस्या), और उसके बाद संन्यास (पूर्ण त्याग) का ही वर्णन किया गया है। संन्यास आश्रम को जीवन का अंतिम और सबसे त्यागमय चरण है। इस आश्रम में व्यक्ति सांसारिक बंधनों और सभी प्रकार के मोह का त्याग कर देता है। वह पूर्ण वैराग्य धारण कर लेता है और ईश्वर की प्राप्ति के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। लेकिन मोदीजी के जन्मदिन का जश्न देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि वे संस्कृति के इस अध्याय का पालन करेंगे और संन्यास आश्रम में जाने की तैयारी करेंगे। उनके समर्थक तर्क दे सकते हैं कि उन्होंने गृहस्थ जीवन में ही वानप्रस्थ और संन्यास दोनों चरणों को जी लिया था, इसलिए अब उन पर कोई पाबंदी नहीं है। वैसे भी अगर श्री मोदी ने खुद को अलौकिक घोषित किया है, तो फिर इहलोक के नियम उन पर कैसे लागू होंगे।

श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए वही श्राद्ध है

संजीव ठाकुर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

श्राद्ध कर्म के द्वारा पित्रश्रृण से मुक्त हुआ जा सकता है इससे पितृ–गण वर्ष भर प्रसन्न रहते हैं। जानकी माता सीता द्वारा श्राद्ध की भावपूर्ण कथा प्रचलित हैं–श्री राम जी द्वारा गया जी के रूद्रपद पर पिंडदान किया गया तब दशरथ जी कृतार्थ हुए और उन्हें रुद्रलोक की प्राप्ति हुई थी उन्होंने श्री राम जी को समस्त अयोध्या वासियों सहित बैकुंठ धाम जाने का वर दिया था ।माता सीता द्वारा दिया गया श्राद्ध भोज– एक बार अयोध्या में श्री राम सीता द्वारा श्राद्ध के लिए ब्राह्मण भोज दिया गया, फलस्वरूप दूर दूर से ब्रम्णणों की टोलियां पधारने लगीं। शिव जी को जब श्राद्ध भोजन के संदर्भ में मालुम हुआ तो वे एक वृद्ध ब्राह्मण का रुप रख कर टोली में शामिल होकर अयोध्या पहुंच गए। कहां ष्मुझे भी भोजन कराएं राजन श्री राम जी उन विशिष्ट अतिथि को पहचान गए कि स्वयं शिव शंकर आए हैंलेकिनवहइसदौरान हमारी परीक्षा लेने । श्री राम जी ने बड़े सम्मान पूर्वक वृद्ध ब्राह्मण के चरण धुलाकर आसन पर बैठाया ।उनको भोजन परोसा गया ,छोटे भाई लक्ष्मण जो भी परोसते वृद्ध ब्राह्मण एक ही ग्रास में ग्रहण कर लेते पत्तल में कुछ दिखता ही नहीं ,रुकता ही नहीं ,और भी सभासद आ गये जो पत्तल को भरने लग गए पर पत्तल खाली की खाली ही रहती गई ।दूर खड़े श्री राम जी शिव जी की लीला देख मन ही मन रोमांचित हो रहे थे । बात फैलते फैलतै राज महल और माता सीता तक पहुंच गई,रसोई का संपूर्ण संचालन एवं नियंत्रण वे ही देख रही थीं। एक बूढा ब्राह्मण आया है ,जिसकी पत्तल मे खाना रुकता ही नहीं ,भोजन सामग्री क्षण भर में साफ हो जाती है । अब यह भोज प्रतिष्ठा का विषय बन गया ,लिए महल का पूरा भोजन और सामग्री समाप्त होने लगी,पर भगवान शिव शंकर तृप्त नहीं हुए। सीता माता चिंतित हो गईं तब श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा पार्वती जी का आवाहन किया कि आप ही भगवान शंकर जी की क्षुधा शांत कर सकती हैं। सभी परोसने वाले वहां से हटा दिये गए,माता अन्नपूर्णा वहां प्रगट हो गईं। श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा से निवेदन किया कि इन्हें आपके अतिरिक्त और कोई तृप्त नहीं कर सकता है आप ही अपने स्वामी को भोजन कराइये। अन्नपूर्णा माता ने भोजन पात्र अपने हाथ में लिया वैसे ही वह अक्षय पात्र बन गया अन्नपूर्णा माता विश्वनाथ को भोजन कराने लगीं,पत्तल में एक लड्डू परोसा ,शंकर जी खाते खाते तक गये, लड्डू समाप्त नहीं हुआ,माता ने दोबारा परोसना चाहा तो शंकर जी ने मना कर दिया। शंकर जी ने डकार ली और हंसकर कहा–अन्नपूर्णा तुम्हें आना पड़ा,अब मैं तृप्त हो गया ।सीता माता द्वारा श्राद्ध का प्रसंगय–

जब उन्होंने साक्षात दशरथ जी को पितृ भोज करते देखा––भगवान श्री कृष्ण से पक्षीराज गरूड़ ने पूछा लोग अपने पितर को मिल कर तरह तरह का भोजन कराते हैं, तो क्या उनके पित्र ,देवलोक से मृत्यु लोक में वह भोजन गृहण करने आते हैं?क्या उन्हें कोई देख सकता है ।इसका क्या प्रमाण है । तब श्री कृष्ण जी ने देवी सीता का प्रसंग सुनाया था। माता सीता ने पुष्कर तीर्थ में श्राद्ध किया था तब उन्होंने अपने ससुर सहित तीन पितरों को आमंत्रित ब्राह्मणों के शरीर में देखा था। वह कथा सुने– पिता की आज्ञा से श्रीराम लक्ष्मण सीता जी वनवास चले गए

उन्हें ज्ञात हो गया था कि दुख में उनके पिता की मृत्यु भी हो गई है। जब श्री राम जी पुष्कर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता के निमित्त श्राद्ध किया इससे श्रेष्ठ अवसर हो ही नहीं सकता कि पिता का श्राद्ध पुष्कर में हो। श्री राम जी ने सभी शाक फल भोजन सामग्री की व्यवस्था की और माता सीता ने रसोई बनाई। सम्पूर्ण विधी विधान के साथ वहां श्राद्ध हेतु ब्राह्मणों का आवाहन किया गया। सभी नेआसन गृहण कर लिया ,जो भोजन उपलब्ध था,वह पत्तल में परोसा गया,माता जानकी स्वयं व्यवस्था कर रही थीं। अचानक जानकी भोजन करते ब्राह्मण और श्रृषियों के बीच से निकलीं और तुरंत ही दूर चली गईं ,जाकर वे घनी झाड़ियों लताओं के पीछे छिपकर बैठ गईं,यह सभी कृत्य श्री राम जी देख रहे थे ,उन्हें आश्चर्य भी हुआ ,वे ब्राह्मण, ऋषियों के भोजन सम्पन्न होने की प्रतीक्षा कर रहे थे।भोजन उपरांत श्री राम ने जानकी माता से बोले –हे सीते तुम्हे तो मालुम है, कि ब्राह्मण,ऋषियों के रुप में स्वंय पितृ भोजन करते हैं ,फिर तुम अचानक वहां से कैसे आ गईं,कुछ कमी हो जाती टू वे रुष्ट हो सकते थे ? तब रुंधे गले से माता जानकी ने बहुत ही भावुक करने वाला जबाब दिया –वहां उपस्थित ब्राह्मण एवं ऋषियों के बीच मैने दो महापुरुषों को देखा जो राजसी वेषभूषा में सजे धजे थे ,तभी मैंने आपके पिता जी के दर्शन किये,वे भी सभी राजसी वस्त्र आभूषण से सजे हुए थे। तभी मुझे लज्जा का बोध हुआ ,और मन में कुछ और भी आया उसी क्षण मैंने निश्चय किया, हे प्रभू ,मैं इन सन्यासी वस्त्र,पेड़ की छाल,मृघचर्म धारण करके अपने ससुर के सम्मुख कैसे जा सकती हूं? जो भोजन हम परोस रहे थे ,वह तो राजा दशरथ के दास भी नहीं स्वीकार करते , मिट्टी और पत्ते के दोने में वह भोजन कैसे दे सकती थी ? मैं तो अभी भी अपने ससुर की वहीं राजकुमारी लाडली बहू हूं,जो हमेशा स्वर्ण आभूषणों से कीमती वस्त्रों से सुसज्जित महारानी हूं। आज मैं अपनी इस अवस्था में उनके सामने कैसे जाती ,उनके मन को कितना क्षोभ पहुंचता ,मै उनके मन को दुख नहीं पहुंचा सकती थी , अतः मैं शीघ्रता से उनकी नजरों से दूर होकर , लताओं की ओट मे छुप गई। तब गरुण जी संतुष्ट हुए कि पित्र मृत्यु लोक में आकर अपना भोजन गृहण करते हैं।

नरेंद्र मोदी: सफलताएँ, असफलताएँ एवं आलोचनाएं

एस आर दारापुरी

नरेंद्र मोदी 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं और अपनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कम बहुमत के बावजूद 2024 में तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित कर रहे हैं। उनके कार्यकाल में बुनियादी ढाँचे, आर्थिक सुधारों और विदेश नीति में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसे अक्सर भारत की वैश्विक स्थिति को ऊँचा उठाने और बड़े पैमाने पर कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने का श्रेय दिया जाता है। नीचे विभिन्न स्रोतों से प्राप्त प्रमुख सफलताएँ दी गई हैं, जो सरकारी उपलब्धियों और स्वतंत्र विश्लेषणों का प्रतिनिधित्व करती हैं। मोदी सरकार ने बुनियादी ढाँचे को प्राथमिकता दी है, भारतमाला परियोजना जैसी पहलों की बदौलत, जिसने राजमार्ग नेटवर्क का महत्वपूर्ण विस्तार किया है, पिछले किसी भी प्रशासन की तुलना में प्रतिदिन अधिक सड़कें बिछाई हैं। इसने उनकी एनडीए सरकार के तहत भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में योगदान दिया है, जिसमें 2017 में माल और सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों ने कर प्रणाली को ष्एक राष्ट्र, एक करष् के रूप में एकीकृत किया और व्यावसायिक संचालन को सुव्यवस्थित किया। उदारीकरण के प्रयासों में रक्षा और रेलवे जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्क्) को आसान बनाना, जनरल इलेक्ट्रिक के साथ लोकोमोटिव के लिए समझौते और मुंबई और अहमदाबाद के बीच जापान की हाई–स्पीड रेल परियोजना जैसे निवेश आकर्षित करना शामिल है। मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया अभियानों ने विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा दिया है, जिसमें 22 नई योजनाओं ने कनेक्टिविटी को बढ़ाया है और 1,000 से ज़्यादा पुराने कानूनों को खत्म करके नौकरशाही की बाधाओं को कम किया है। ज्योतिग्राम योजना (उनके गुजरात कार्यकाल से विस्तारित) जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विद्युतीकरण ने गाँवों को चौबीसों घंटे बिजली प्रदान की, जबकि स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट विलेज पहल का लक्ष्य 2019 तक 100 शहरों और 2,500 गाँवों को इंटरनेट और स्वच्छता से युक्त बनाना था।कल्याणकारी कार्यक्रम लाखों लोगों तक पहुँचे हैंरू प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ से ज़्यादा लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिलता है, और खुले में शौच को खत्म करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान के तहत 12 करोड़ से ज़्यादा शौचालय बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने 2018 तक 5.8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन वितरित किए, जिससे खपत में 56ः की वृद्धि हुई, जबकि प्रधानमंत्री जन धन योजना ने 2015 तक 12.5 करोड़ बैंक खाते खोले। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से कौशल विकास ने 2016 तक लगभग 18 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया, और नई शिक्षा नीति 2020 ने स्कूली और उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव पेश किए। दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम के रूप में प्रशंसित आयुष्मान भारत ने अपने पहले महीने में 1 लाख से अधिक लाभार्थियों को बीमा प्रदान किया। सामाजिक नीतियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10ः आरक्षण के लिए 2019 का कानून और जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना शामिल है, जिसने इस क्षेत्र को भारत के साथ और अधिक निकटता से जोड़ा और इसे दीर्घकालिक मुद्दों के समाधान के लिए एक साहसिक कदम के रूप में देखा गया। मोदी ने ष्बहुसंरेखणष् को आगे बढ़ाया है, अमेरिका, मध्य पूर्व और इजराइल के साथ संबंधों को मजबूत किया है, पाँच द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारियाँ जोड़ी हैं और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरुआत की है। उन्होंने 2016 तक 42 देशों की 51 यात्राएँ कीं, अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क नेताओं को आमंत्रित कियाकृजो किसी भारतीय प्रधानमंत्री के लिए पहली बार थाकृऔर एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत म्यांमार के साथ संबंधों को मजबूत किया। राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी उनकी सफलताओं में 2016 के उरी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक और ष्ऑपरेशन कगारष् जैसे नक्सल–विरोधी अभियान शामिल हैं, जिनसे वामपंथी उग्रवाद में कमी आई है। अंतरिक्ष अन्वेषण की प्रतिबद्धता, असफलताओं के बावजूद, बनी हुई है, जिससे भारत भविष्य के मिशनों में नेतृत्व के लिए तैयार है। उनके नेतृत्व ने उच्च अनुमोदन रेटिंग बनाए रखी है, दक्षिणपंथी नीतियों के प्रति राजनीतिक पुनर्संयोजन का निर्माण किया है और भारत की वैश्विक स्थिति को आकार दिया है।भारत को एक अधिक मुखर और विकसित राष्ट्र में बदलने के लिए समर्थकों द्वारा इन उपलब्धियों की प्रशंसा की गई है, हालाँकि जीएसटी और कल्याणकारी योजनाओं जैसी कुछ योजनाओं के परिणाम मिश्रित रहे हैं।हालाँकि मोदी के कार्यकाल में कई अच्छी उपलब्धियाँ रही हैं, लेकिन आर्थिक मंदी, सामाजिक विभाजन और नीतिगत कुप्रबंधन के कारण उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। विपक्षी दल और विश्लेषक बेरोजगारी और लोकतांत्रिक पतन जैसे गंभीर मुद्दों की ओर इशारा करते हैं, क्योंकि उनकी भाजपा 2024 के चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रही, जिससे गठबंधन सरकार बनाने पर मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस सहित आलोचक उनके 11 वर्षों के कार्यकाल को षविफलताओं और जनविरोधी नीतियों का ज्वलंत उदाहरणष बताते हैं। 2019 से पहले बेरोजगारी दोगुनी होकर 6ः से अधिक हो गई और 2017 में 45 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुँच गई, जिसमें 30 वर्ष से कम आयु के 29ः कॉलेज–शिक्षित युवा बेरोजगार हो गए, जिससे जनसांख्यिकीय लाभांश कम हो गया। 2016 की नोटबंदी और जीएसटी जैसी नीतियों ने अर्थव्यवस्था को अस्त–व्यस्त कर दिया, जिससे 12 करोड़ लोगों की नौकरियाँ चली गईं और 84ः आबादी की आय कम हो गई। पहले आठ वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर औसतन 5.5ः रही (पिछले 7.03ः से कम), जो 2020 में कोविड लॉकडाउन के कारण नकारात्मक हो गई, मुद्रास्फीति आरबीआई की सीमा से अधिक हो गई।

बेबी और बाबा

है घर में आ गया बेबी
अरे बाबा अरे बाबा,
लगे घर जैसे कोलाबा,
अरे बाबा अरे बाबा।

उठाया सर पर घर उसने,
लिटाया जैसे बिस्तर पर,
कहे मानो लिटाया क्यों,
अरे बाबा अरे बाबा।

हुई पॉटी तो चिल्लाया,
बुलाओ जल्दी दादी को,
बदल दें डायपर मेरा,
सुनो बाबा सुनो बाबा।

मुझे थोड़ी शिकायत है,
जो मेरे पास आते हैं,
कहे बेबी मेरी सुन लो,
मेरे बाबा मेरे बाबा।

लगी जब भूख हो मुझको
नहीं जल्दी से सुनती हैं,
कहो मम्मी से रोऊं मैं,
नहीं बाबा नहीं बाबा।

नहीं फुरसत है पापा को,
स्वयं के घूमने से ही,
मुझे थोड़ा घुमा ही दो,
चलो बाबा चलो बाबा।

बुआ हैं काटती चुटकी,
खिलाने के लिये मुझको,
मुझे सोने नहीं देतीं
जरा बाबा जरा बाबा।

समझते हैं खिलौना ही,
मुझे छोटे–बड़े चाचा,
उन्हें तुम डांटते हरदम,
रहो बाबा रहो बाबा।

नहीं आये बड़े भइया,
अकेले बोर होता हूं,
कहो जल्दी चले आएं,
उन्हें बाबा उन्हें बाबा।

सदा बिस्तर पर लेटे ही,
क्यों रहते मेरे परबाबा,
रखो कुछ ध्यान उनका भी,
मेरे बाबा मेरे बाबा।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
सुल्तान पुर भावा, गंगागंज,
प्रयागराज।

डेटा के उपयोग से कारोबार की तरक्की में मददगार पेशा

इन दिनों बाजार का ज्यादातर बिजनेस डेटा आधारित हो गया है। ऐसे में डेटा का विश्लेषण करना और उसका सही तरह से उपयोग कर बिजनेस को अनुकूलतम बनाने के साथ–साथ उसकी सुरक्षा करना बेहद आवश्यक हो गया है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट का कैरियर बहुत मायने रखता है। एक तरह से यह बिजनेस के संरक्षक होते हैं जो बिजनेस को समझने, उसे बढ़ाने और सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण काम करते हैं। इसीलिए आजकल बिजनेस इंटेलिजेंस का कैरियर युवाओं के लिए यउपयोगी, कमाऊ और लोकप्रिय बनता जा रहा है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट एक स्किल्ड प्रोफेशनल होता है जो डेटा की निगरानी करने तथा उसे उपयोगी व्यवसाय प्रक्रिया में बदलने के लिए जिम्मेदार होता है। यह अपने बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन में वैल्यू एडिशन करता है। वह अपने ऑर्गेनाइजेशन के लिए नई–नई बिजनेस ऑपर्चुनिटी खोज कर उसे अपने व्यवसाय में जोड़ता है जिससे बिजनेस को अपडेट तथा बाजार में नवीनतम बनाए रखने में मदद मिलती है। बिजनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, डेटा बिजनेस की गाड़ी के लिए एक नया फ्यूल है जो बिजनेस से संबंधित इंफॉर्मेशन हासिल करने में सहायक है। यह इंफॉर्मेशन बिजनेस एफिशिएंसी और उसके रेवेन्यू को बढ़ाने में मदद करती हैं। उपलब्ध इंफॉर्मेशन और डेटा का विश्लेषण कर उपयोगी डेटा का सिलेक्शन और अनुपयोगी डेटा का रिजेक्शन करने वाला ही बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट होता है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट डेटा मॉडलिंग, डेटा एनालिसिस, डेटा विजुअलाइजेशन और एआई–संबंधित स्किल्स और टेक्निक्स का उपयोग करके इनसाइट्स विकसित करते हैं जो कंपनी के मैनेजर्स, एक्जिक्यूटिव्ज और डिपार्टमेंट्स को नोटिफाइड स्ट्रैटजी कमर्शियल डिसिजन्स को डेवलप करने में मदद करते हैं। उनकी भूमिका में मुख्य रूप से अपने निष्कर्षों को साझा करने के लिए प्रमुख बेनिफिशियरीज के साथ बातचीत करना भी शामिल है। वे वित्तीय, रोजगार, व्यय और राजस्व रिपोर्ट सहित ऑर्गेनाइजेशनल डेटा का एक्सट्रैक्शन और एनालिसिस करते हैं। उनके काम में रिपोर्ट की गई प्रॉब्लम्स के बारे में डेटा कलेक्शन और ऐसे सॉल्यूशंस की अनुशंसा करना है जो प्रोसेजियर्स एफिशिएंसी और सिस्टम्स एक्जिबिशन को बढ़ाते हैं। उनका काम कॉस्ट और प्रॉफिट एनालिसिस भी है। वे मौजूदा स्ट्रैटजी की एफिशिएंसी का एनालिसिस करके मैनेजमेंट और एक्जिक्यूटिव्ज को सूचित और प्रशिक्षित करते हैं तथा रिफॉर्म्स को लागू करने में सहायता कर ऑर्गेनाइजेशनल परफॉर्मेंस को बिजनेस के अनुरूप बनाने का काम भी करते हैं। बिजनेस के लिए जरूरी मॉड्यूल्स को अपनाकर टीम मैनेजमेंट में मदद करते हैं। वहीं उनके काम में चौटबोट और एआई जैसे टूल्स को प्रभावी रूप से उपयोग में लाना, डेटा कम्युनिकेशन के लिए वर्कशॉप का आयोजन करना तथा उससे संबंधित रिपोर्ट तैयार करना भी शामिल है। बीआई एनालिस्ट्स को उनके द्वारा विश्लेषित डेटा से स्पष्ट, उपयोगी इनसाइट पैदा करने के लिए आवश्यक टूल्स प्रदान किए जा सकते हैं। इससे बीआई एनालिस्ट्स को यह समझने में मदद मिलती है कि वह डेटा वास्तविक व्यावसायिक निर्णयों में कैसे तब्दील हो सकता है। एआई उद्योग की विशाल मात्रा में डेटा को संश्लेषित करने और निर्णयों को सुसंगत कार्य आईबीएम जैसी स्थापित दिग्गज कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक कई शीर्ष तकनीकी कंपनियां इसयोजनाओं में स्वचालन की क्षमता को सशक्त बनाती हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और अन्य दृष्टिकोण का लाभ उठाने की कोशिश कर रही हैं। आजकल लगभग सभी बड़ी कंपनियों के पास बहुत सारा मूल्यवान डेटा उपलब्ध है। व्यवसाय करने के दौरान और अन्य स्रोतों से एकत्रित डेटा जो उनके संगठन के लिए रिलेवेंट है, बिजनेस को मौजूदा परिस्थिति में मार्केट के लिए तैयार करता है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट इन डेटा को समझने, उपयोगी जानकारी खोजने के लिए गहराई से खोज करने, रुझानों की पहचान करने और कार्रवाई योग्य बिजनेस इनसाइट पैदा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। जिनके पास डेटा से संबंधित प्रैक्टिकल नॉलेज, डेटा एनालिसिस की तकनीकों, एआई और मॉडर्न बिजनेस इंटेलिजेंस का ज्ञान तथा इसके उपयोग में दक्षता हासिल है, वह सफल बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट बन सकते हैं। वैसे तो बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट सभी बड़ी कंपनियों के लिए जरूरी हैं। फिर भी वे डेटा और आईटी से संबंधित कंपनियों में बिजनेस इंटेलिजेंस डेवलपर, बिजनेस इंटेलिजेंस मैनेजर, डेटा इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट, एआई एनालिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर तथा डिजाइनर के रूप में कार्य करते हुए शानदार पद और बेहतरीन वेतन के हकदार होते हैं। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने वालों के लिए मायफेयर, फॉरेस्टर, वर्जिन आर्बिट, एमआईटी लिकन लैब, गूगल, टिकटॉक, एक्स, हबस्पॉट, जॉनसन एंड जॉनसन, बार्न्स एंड नोबल जैसे संस्थानों में ढेरों अवसर हैं।

बिग बॉस 19: मां के साथ हुआ बुरा बर्ताव.. अमाल ने परिवार का खोला राज, चाचा अनु मलिक की चलाकियों का किया भंडाफोड़

> सलमान खान के रियलिटी शो में अमाल मलिक ने खुलकर बताया कि उनके पिता डब्बू मलिक ने किस तरह उनकी मां के साथ उनके जन्म से पहले ही बुरा बर्ताव किया और किस तरह उनके परिवार ने कई उतार-चढ़ाव देखे।

मशहूर म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक इन दिनों रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 19 के घर में सुर्खियां बटोर रहे हैं। शो में वह न सिर्फ अपने गेम खेलने के अंदाज, बल्कि निजी जिंदगी को लेकर भी लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। वहीं, हाल ही में शो में अमाल ने अपने परिवार को लेकर एक बात कही है, जिसने सभी को चौंका दिया।मशहूर म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक इन दिनों रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 19 के घर में सुर्खियां बटोर रहे हैं। शो में वह न सिर्फ अपने गेम खेलने के अंदाज, बल्कि निजी जिंदगी को लेकर भी लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। वहीं, हाल ही में शो में अमाल ने अपने परिवार को लेकर एक बात कही है, जिसने सभी को चौंका दिया। सलमान खान के रियलिटी शो में अमाल मलिक ने खुलकर बताया कि उनके पिता डब्बू मलिक ने किस तरह उनकी मां के साथ उनके जन्म से पहले ही बुरा बर्ताव किया और किस तरह उनके परिवार ने कई उतार–चढ़ाव देखे। शो में अमाल मलिक ने कंटेस्टेंट बसीर अली से बातचीत के दौरान बचपन से जुड़ी एक ऐसी कहानी सुनाई, जिसे सुनकर बसीर भी भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि जब उनकी मां गर्भवती थीं, तब उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। ज्वाइंट परिवार में रहने के कारण उन पर काम का बहुत दबाव रहता था। सिंगर ने कहा कि उनकी मां ने कई बार अपमान और तकलीफ सही, यहां तक कि गुस्से में एक बार उन्होंने अलमारी पर हाथ मारकर अपनी पीड़ा जाहिर की थी। अमाल का कहना है कि वो उनकी मां की हिम्मत और संघर्षों की वजह से ही वह आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। न सिर्फ पिता बल्कि अमाल मलिक ने अपने चाचा और मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर अनु मलिक पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई बार उनके पिता को स्टूडियो में बुलाया जाता और उनसे गाने रिकॉर्ड करवाए जाते। लेकिन जब गाने रिलीज होते तो उन पर किसी और का नाम होता। एक बार उनके पिता को लगा कि उन्हें एक नया मौका मिला है, लेकिन बाद में पता चला कि वह गाना पहले से बनी फिल्म का हिस्सा था और बस रिकॉर्डिंग का बहाना बनाकर उनका इस्तेमाल किया गया। इस घटना का असर इतना गहरा था कि डब्बू मलिक ने आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए दवाइयां तक लेना शुरू कर दिया। अपने पिता को इस स्थिति में देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ। परिवार के इन संघर्षों और अन्याय को देखकर ही उन्होंने तय किया कि वो अपने दम पर एक अलग पहचान बनाएंगे। बता दें, अमाल मलिक ने कई सुपरहिट फिल्मों और एलबम्स में गाने दिए हैं। अमाल के सुपरहिट गानों की लिस्ट में फिल्म एमएस धोनी का जब तक, फिल्म कपूर एंड सन्स का कर गई चुल जैसे गाने शामिल हैं।

लाल किले पर होने वाली 'रामलीला' में मंदोदरी बनेंगी पूनम पांडे, राज बब्बर का बेटा बना रावण

दिल्ली के लाल किला ग्राउंड में होने वाली लव कुश रामलीला की तैयारी जोर–शोर से चल रही है। यह शुरू 22 सितंबर को होगी, जो 3 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। इस रामलीला में 45 के करीब एक्टर्स हिस्सा लेने वाले हैं। कहा जा रहा है कि मनोज तिवारी भगवान परशुराम का किरदार निभाएंगे। वहीं एक्ट्रेस पूनम पांडे रावण की पत्नी मंदोदरी बनने वाली हैं जबकि रावण का किरदार आर्य बब्बर निभाते नजर आएंगे। रामलीला के लिए पूनम पांडे का नाम सामने आया तो वो चर्चा में आ गई हैं। ऐसे में एक्ट्रेस ने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा–इस ऐतिहासिक और भव्य उत्सव का हिस्सा बनने का मौका मिला है. जो उनके लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। रामलीला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का भी उत्सव है। इससे जुड़कर खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हैं।रामलीला में हिस्सा लेने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। गौरतलब है कि पूनम पांडे की निजी जिंदगी सुर्खियों में रही हैएक्ट्रेस के करियर की शुरुआत बतौर मॉडल हुई थी. ग्लैडरैग्स मैनहंट और मेगा मॉडल कॉन्टेस्ट 2010 के बाद वो सबकी नजरों में आई।वो टॉप 9 कंटेस्टेंट में रही थीं। फिर 29 कैलेंडर्स के लिए फोटोशूट किया। वह फिल्मों का हिस्सा भी रहीं जिसमें नशा, लव इज पॉइजन, मालिनी एंड कंपनी, द वीकेंड समेत कई नाम शामिल हैं हालांकि, अपनी मौत की झूठी खबर फैलाने के बाद वो जमकर ट्रोल हुईं।

आर्यन खान की डेब्यू सीरीज के प्रीमियर में बहन ने लगाए चार-चांद, ढाई लाख से भी महंगी ड्रेस पहन बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने आखिरकार इंडस्ट्री में एंट्री कर ली है। डायरेक्टर के रूप में आर्यन की पहली वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' आज ओटीटी पर रिलीज हो रही है। रिलीज से पहले 17 सितंबर को इसका भव्य प्रीमियर आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। वहीं, इस मौके पर खान परिवार का उत्साह देखने ही लायक था। इवेंट में शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और छोटे बेटे अबराम के साथ पहुंचे। वहीं, आर्यन की बहन ने इस मौके पर जो ड्रेस पहनी, उनके अलग ही चर्चे हो रहे हैं। शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान ने प्रीमियर नाइट को अपने स्टाइल से और भी खास बना दिया। उन्होंने इस मौके पर मस्टर्ड येलो कलर की फ्लोर–लेंथ गाउन पहना, जिसमें थाई–हाई स्लिट उनकी ड्रेस को बोल्ड और एलीगेंट टच दे रहा था। सुहाना के इस लुक ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिन्हें देखकर फैन्स लगातार तारीफ कर रहे हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी इस खूबसूरत ड्रेस की कीमत करीब 2.95 लाख रुपये बताई जा रही है। प्रीमियर नाइट पूरी तरह से ग्लैमरस और शानदार रही। बॉलीवुड के कई बड़े सितारे इस खास मौके पर पहुंचे और आर्यन खान को बतौर डायरेक्टर नए सफर की शुभकामनाएं दीं। बता दें द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आर्यन खान के निर्देशन की पहली फिल्म हैं। ऐसे में शाहरुख और गौरी भी अपने बेटे के लिए काफी खुश नजर आ रहे हैं और इस सीरीज के प्रमोशन का कोई मौका नहीं छोड़ रहे।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी दीपिका पादुकोण, निर्माता ने किया ऐलान

दीपिका पादुकोण को प्रभास और अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म श्कल्कि 2898 एडीश में बेहद पसंद किया गया था। प्रशंसक फिल्म के सीक्वल का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन अब दीपिका इसमें नहीं होंगी। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा कर दी है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित यह फिल्म भगवान विष्णु के दसवें और अंतिम अवतार, कल्कि से गर्भवती एक महिला को दुष्ट सर्वोच्च देव–राजा यास्किन से बचाने के लिए निकले लोगों के एक समूह के इर्द–गिर्द घूमती है। दीपिका ने फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जो कल्कि अवतार से गर्भवती थी और प्रशंसक आगे क्या होने वाला है, इसका इंतज़ार कर रहे थे।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी दीपिका पादुकोण

निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण करने वाले 'वैजयंती मूवीज' स्टूडियो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह खबर साझा की। इसमें कहा गया, आधिकारिक तौर पर घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण... 'कल्कि2898 एडी' के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है।पहली फिल्म बनाने की लंबी यात्रा के बावजूद हम साझेदारी कायम नहीं रख पाए।

दीपिका ने 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बनाई दूरी, क्यों टूटा रिश्ता?

स्टूडियो ने कहा, और 'कल्कि2898 एडी' जैसी फिल्म उस प्रतिबद्धता और उससे भी कहीं ज्यादा की हकदार है। हम उन्हें (दीपिका) भविष्य के कामों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। यह फिल्म जून 2024 में प्रदर्शित हुई थी और वैश्विक स्तर बॉक्स ऑफिस पर इसने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

स्पिरिट को भी दीपिका ने छोड़ा था

यह दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म श्स्पिरिटश छोड़ने के बाद आया है, जिसमें प्रभास भी थे। ऐसी अफवाह है कि कुछ माँगों के बाद अभिनेत्री का संदीप रेड्डी वांगा से मनमुटाव हो गया है। दीपिका पिछले साल माँ बनीं और उनकी बेटी दुआ सितंबर में एक साल की हो गई। तब से, अभिनेत्री मातृत्व अवकाश पर हैं। बताया जा रहा था कि दीपिका की माँगों में से एक आठ घंटे की शिफ्ट थी, ताकि वह काम और ज़िंदगी में संतुलन बना सकें और अपनी बेटी के साथ समय बिता सकें। लेकिन कथित तौर पर आठ घंटे की शिफ्ट निर्देशक को रास नहीं आई।

क्या विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स ने अपने बजट से दोगुनी कीमत में लॉक की ओटीटी डील

टीम डिजिटल। विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसे इंडियन सिनेमा की सबसे बोल्ड फिल्मों में से एक माना जा रहा है। इस फिल्म की कहानी आज और बीते कल के बीच में सफर करती है, जिसमें 16 अगस्त 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे की दिल दहला देने वाली सच्चाई की झलक दिखाई गई है। यह फिल्म देशभर में चर्चा का विषय बनने के बाद, अब पश्चिम बंगाल में शुरुआती बैन से बाहर निकल कर आखिरकार रिलीज हो चुकी है। ऐसे में अब सुनने में आ रहा है कि फिल्म के ओटीटी राइट्स को उसके बजट से भी ज्यादा प्राइस में बेचा गया है। एक इंडिपेंडेंट इंडस्ट्री सोर्स के मुताबिक, "द बंगाल फाइल्स थिएटर्स में शानदार परफॉर्मेंस कर रही है। इसी बीच खबर है कि इसके ओटीटी राइट्स जी5 को 70 करोड़ से ज्यादा की डील में बेचे गए हैं, जो फिल्म के बजट से दोगुने हैं। फिल्म के बजट की तुलना में ओटीटी के लिए हासिल हुई कीमत काफी ज्यादा मानी जा रही है। हालांकि, सही आंकड़े के बारे में अभी पुष्टि होनी बाकी है। द बंगाल फाइल्स की कहानी और निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है, जबकि इसके निर्माता अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन्स द्वारा प्रस्तुत की गई है और विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स शामिल हैं। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

रोजाना सुबह नारियल पानी पीने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त, दूर होगी कई बीमारियां

नारियल पानी पीना सबसे ज्यादा हेल्दी माना जाता है। नारियल पानी पीने सिर्फ हाइड्रेशन ही नहीं बल्कि और कई भी स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। क्योंकि, इसमें कई पोषक तत्व और इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को दुरुस्त रखने में काफी मदद करता है। आइए जानते हैं खाली पेट नारियल पानी पीने के फायदे।

अगर आप चाहते हैं कि आपका शरीर स्वस्थ रहे और स्किन भी ग्लो करें। इसके लिए आपको कुछ ज्यादा नहीं करना, बस खाली पेट रोजाना सुबह नारियल पानी पीना चाहिए। खुद को फिट रखने के लिए और दिनभर एक्टिव बने रहने के लिए डाइट में नारियल पानी को एड कर सकते हैं। नारियल पानी एक नेचुरल ड्रिंक है, जिसमें कई जरुरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। नारियल पानी को अपनी डाइट में जरुर शामिल करें। इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

पाचन में सुधार

नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते है जो सेहत के लिए सबसे बढ़िया है। नारियल पानी में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और एंजाइम पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। पेट की एसिडिटी को संतुलित करता है और पाचन एंजाइम्स को बढ़ावा देता है।

वजन कम करने में मददगार

खाली पेट नारियल पानी पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। नारियल पानी में कम कैलोरी और कोई ट्रांस फैट या कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है, जिससे यह वजन कम करने के लिए एक परफेक्ट ड्रिंक बन जाता है। यह एक नेचुरल एनर्जी बूस्टर के रुप में भी काम करता है, ऐसा करने से भूख कम लगती है और अनियमित खाने की आदतों को रोकने में मदद मिलती है।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है

नारियल पानी का सेवन हर तरह से फायदेमंद है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है। नारियल पानी में एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह शरीर को इन्फेक्शन और बीमारियों से बचाने में मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता

सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। नारियल में पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

किडनी की सेहत के लिए फायदेमंद

नारियल पानी पीने से किडनी संबंधित रोग ठीक होते हैं। नारियल पानी में डाययुरेटिक गुण होते हैं, जो शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को निकालने में मदद करता है। ये किडनी की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है और गुर्दे की पथरी के जोखिम को कम करता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

जैसा कि हम सभी स्किन के हेल्दी रखने के लिए नारियल पानी का सेवन करते हैं। नारियल पानी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है। यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और ग्लोइंग स्किन बनाता है।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी को स्ट्रॉग रखने के लिए इन चीजों का करें सेवन

बरसात के मौसम के बाद ठंड आने की शुरुआत हो जाती है। बदलते मौसम में शरीर एडजस्ट होने में थोड़ा समय लेता है। इस सीजन में हम सभी बीमार पड़ जाते हैं। बदलते मौसम में खुद को स्वस्थ रखने के लिए सही खानपान बनाए रखना जरुरी है। इस लेख में हम आपको ऐसे कुछ फूड के बारे में जानकारी दे रही हैं जिससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है और संक्रमण से लड़ने के लिए सक्षम बना रहता है।

बदलते मौसम में इन चीजों का करें सेवन

– स्प्राउट्स प्रक्रिया ही विटामिन और खनिजों को बढ़ाती है। नतीजतन, स्प्राउट्स मैग्नीशियम, फास्फोरस, मैंगनीज और विटामिन के से भरपूर होते हैं। यह स्प्राउट्स में एंटीऑक्सीडेंट भी बढ़ाता है। तांबा, आयरन और जिंक जैसे एंटीऑक्सीडेंट बीमारियों और बैक्टीरिया के खिलाफ शरीर की सुरक्षा में सुधार करने के लिए जाने जाते हैं।

– हमारा शरीर अपने आप विटामिन सी का उत्पादन नहीं करता है, और इसलिए यह अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें जो विटामिन सी (संतरा/आंवला/ बेल मिर्च/टमाटर/क्रूसिफेरस सब्जियां) से भरपूर हों, खासकर मौसम के बदलाव के दौरान।

– किण्वित प्रोबायोटिक्स और दही जैसे प्राकृतिक स्रोतों में श्अच्छे बैक्टीरियाश स्वाभाविक रूप से आपकी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जिससे इस फ्लू के मौसम में सुरक्षित रहने की आपकी क्षमता में सुधार होता है।

–लहसुन में एलिसिन नामक एक प्राकृतिक रासायनिक घटक में अद्भुत जीवाणुरोधी और एंटी–फंगल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद कर सकते हैं, और इसलिए सर्दी या फ्लू होने के जोखिम को कम कर सकते हैं।

–पपीता में अपनी उच्च फाइबर सामग्री और एंजाइम पपेन के कारण पाचन में सुधार करता है। इसमें विटामिन सी भी प्रचुर मात्रा में होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

– विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, सहजन की पत्तियों से आम सर्दी, फ्लू से लड़ने और कई सामान्य संक्रमणों को दूर करने में मदद करता है। थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और विटामिन बी 12 जैसे आवश्यक बी विटामिन से भरपूर सहजन पाचन रस के स्राव को उत्तेजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और पाचन तंत्र के सुचारू कामकाज में मदद करता है।

डैंड्रफ से हैं परेशान तो महंगे शैंपू नहीं काम आएगी किचन की ये चीज

डैंड्रफ एक आम समस्या है जो न केवल बालों की खूबसूरती को प्रभावित करती है, बल्कि इसके कारण बालों का टूटना और झड़ना भी बढ़ सकता है। इसके इलाज के लिए महिलाए अक्सर विभिन्न प्रोडक्ट्स का उपयोग करती हैं, लेकिन कई बार ये समस्याए जस की तस बनी रहती हैं। हालांकि, डैंड्रफ से राहत पाने के लिए एक नेचुरल और प्रभावी उपाय है दृ सेब का सिरका। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे सेब के सिरके का इस्तेमाल करके डैंड्रफ को कम किया जा सकता है, और इसके लाभ क्या हैं।

पीएच संतुलन बनाए रखना

सेब का सिरका बालों और स्कैल्प के pH स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। जब स्कैल्प का पीएच स्तर असंतुलित होता है, तो डैंड्रफ की समस्या बढ़ सकती है। सेब का सिरका स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे डैंड्रफ कम हो सकता है।

एंटीफंगल गुण

सेब के सिरके में प्राकृतिक एंटीफंगल गुण होते हैं, जो डैंड्रफ के मुख्य कारणों में से एक, फंगल इंफेक्शन, को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह सिरके के गुण फंगल संक्रमण को कम करते हैं और स्कैल्प को साफ रखते हैं।

त्वचा की सफाई

सेब का सिरका स्कैल्प पर जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। यह स्कैल्प की सफाई को बढ़ावा देता है, जिससे डैंड्रफ की समस्या कम हो जाती है और बाल अधिक चमकदार और स्वस्थ नजर आते हैं।

रक्त संचार में सुधार

सेब का सिरका स्कैल्प पर रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों को बेहतर पोषण मिलता है। बेहतर रक्त संचार से बालों की वृद्धि में सुधार हो सकता है और डैंड्रफ की समस्या में भी कमी आ सकती है।

सेब के सिरके का उपयोग कैसे करें

एक कप सेब का सिरका लें और इसे एक कप पानी के साथ मिलाएं। यदि आपके पास संवेदनशील त्वचा है, तो सिरके की मात्रा कम कर सकते हैं। इस मिश्रण को एक स्प्रे बॉटल में भरें और इसे सीधे स्कैल्प पर स्प्रे करें। सुनिश्चित करें कि यह पूरी स्कैल्प पर अच्छे से लगे। मिश्रण को अपने स्कैल्प पर धीरे–धीरे मालिश करें। इससे सिरके के गुण स्कैल्प में अच्छे से समा जाएंगे। इस मिश्रण को स्कैल्प पर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद, अपने बालों को ठंडे पानी से धो लें और सामान्य शैम्पू से धोएं। बेहतर परिणाम के लिए, इसे सप्ताह में 2–3 बार उपयोग करें। सेब का सिरका एक सरल और प्राकृतिक उपाय है जो डैंड्रफ की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। इसके एंटीफंगल गुण, चभ संतुलन बनाए रखने की क्षमता, और त्वचा की सफाई के लाभ इसे डैंड्रफ के इलाज के लिए एक प्रभावी बनाते हैं। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति की त्वचा और बालों की स्थिति अलग होती है, इसलिए उपयोग से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यदि आपकी समस्या गंभीर है या सुधार नहीं होता है, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आप इस नेचुरल उपचार का उपयोग करके अपने बालों को स्वस्थ और डैंड्रफ मुक्त बना सकते हैं।

चाय के साथ खाते हैं नमकीन तो हो जाए सावधान, सेहत को हो सकता है नुकसान!

हमारे देश में चाय का आनंद अक्सर नमकीन और बिस्किट के साथ लिया जाता है। यह आदत कुछ लोगों के लिए एक ताजगी भरे ब्रेक का हिस्सा होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय के साथ नमकीन का संयोजन आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक हो सकता है? आइए इस विषय पर विस्तार से चर्चा करें और समझें कि इस फूड कॉम्बिनेशन से सेहत को कौन–कौन से नुकसान हो सकते हैं।

अपच की समस्या

दूध वाली चाय के साथ नमकीन, खट्टी या चटपटी चीजें खाना आपके पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। चाय और नमकीन को एक साथ सेवन करने से पेट में असुविधा और अपच की समस्या उत्पन्न हो सकती है। यह खासकर तब होता है जब नमकीन में भारी मसाले या रिफाइंड कार्ब्स होते हैं।

बढ़ सकता है डायरिया का खतरा

चाय में पाए जाने वाले टैनिन और नमकीन के संयोजन से आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। टैनिन दूध के साथ ठीक से मिश्रित नहीं होता और नमकीन में मौजूद सामग्री आपके पेट में सूजन और दर्द पैदा कर सकती है। इसके परिणामस्वरूप डायरिया और अन्य पाचन समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

हो सकती है एसिडिटी

यदि आप दूध वाली चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स वाली नमकीन खाते हैं, तो इससे एसिडिटी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। चाय के साथ तेल या रिफाइंड में फ्राई की गई चीजों का सेवन करने से एसिडिटी और गैस्ट्रिक समस्याएं हो सकती हैं। यह सेहत के लिए अनचाहा परिणाम हो सकता है।

गट हेल्थ पर असर

नमकीन में पाए जाने वाले रिफाइंड कार्ब्स को डाइजेस्ट करने में काफी समय लगता है, जिससे आपकी गट हेल्थ प्रभावित हो सकती है। चाय और नमकीन का संयोजन आपकी आंतरिक प्रणाली को डैमेज कर सकता है, जिससे आपको लंबे समय तक पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

जरूरी है वजह समझना

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नमकीन में पाए जाने वाले रिफाइंड कार्ब्स को डाइजेस्ट करने में काफी ज्यादा समय लग सकता है। यही वजह है कि नमकीन के साथ चाय पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। अपनी सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह के गलत फूड कॉम्बिनेशन्स से परहेज करना बेहद जरूरी है। आपकी सेहत को बनाए रखने और बीमारियों से बचने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप चाय के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन्स से बचें। यदि आप चाय का आनंद लेना चाहते हैं, तो इसे बिना नमकीन या अन्य भारी खाद्य पदार्थों के साथ लें। अपने आहार में संतुलन बनाए रखें और सेहतमंद विकल्प चुनें। इस तरह से आप अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और लंबे समय तक स्वस्थ रह सकते हैं।

संक्षिप्त

ऑनलाइन गेमिंग कानून एक अक्टूबर से होगा लागू : वैष्णव

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और नियमन अधिनियम एक अक्टूबर से लागू होगा। संसद में पिछले महीने पारित यह अधिनियम, जहां एक तरफ ई–स्पोर्ट्स और अन्य ऑनलाइन गेम को बढ़ावा देता है, वहीं पैसा आधारित सभी प्रकार के ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाता है। वैष्णव ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 इंडिया के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, नियम एक अक्टूबर से लागू होंगे।'' मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग कानून पारित होने के बाद भी सरकार उद्योग के साथ चर्चा कर रही है। उन्होंने कहा, ''हमने उद्योग के साथ बातचीत की है, हमने उनके साथ कई बार चर्चा की है, हम पिछले लगभग तीन वर्षों से उनके साथ चर्चा कर रहे हैं। कानून पारित होने के बाद, एक बार फिर, हमने उनके साथ बातचीत की, हमने बैंकों और व्यावहारिक रूप से सभी संभावित पक्षों के साथ भी बातचीत की और हमने नियमों को अंतिम रूप दे दिया है।'' उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग के साथ एक और दौर की चर्चा करेगी। उन्होंने कहा, ''...और अगर उन्हें कुछ और समय चाहिए, तो हम निश्चित रूप से एक अधिक परामर्शी दृष्टिकोण पर विचार करेंगे। जो भी व्यावहारिक होगा, हम वह करेंगे। यह हमारा दृष्टिकोण रहा है। लेकिन इस समय, हमारा लक्ष्य एक अक्टूबर से नए कानून को लागू करना है।'' उद्योग द्वारा उठाई गई चिंताओं में से एक यह है कि उपयोगकर्ता खातों में पड़ी शेष राशि कैसे वापस की जाए। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने बैंकों के साथ व्यापक चर्चा की है और वे समाधान पर पहुंच गए हैं।

अदाणी ने सेबी आदेश पर कहा, फर्जी रिपोर्ट का उपयोग कर झूठी खबरें फैलाने वाले माफी मांगें

सेबी की क्लीन चिट से उत्साहित उद्योगपति गौतम अदाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की 'धोखाधड़ी वाली और गलत इरादे से लायी गयी' रिपोर्ट का इस्तेमाल कर झूठी खबरें फैलाने वालों को देश से माफी मांगनी चाहिए। अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''समूह हमेशा से कहता रहा है कि हिंडनबर्ग के दावे निराधार थे। सेबी की क्लीन चिट ने उस बात की पुष्टि की है।'' बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को खारिज करते हुए उद्योगपति

गौतम अदाणी और उनकी अगुवाई वाले समूह को क्लीन चिट दे दी। सेबी ने कहा कि उसे हिंडनबर्ग के आरोपों में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला कि समूह ने अपनी सूचीबद्ध कंपनियों में पैसा भेजने के लिए संबंधित पक्षों का उपयोग किया हो। अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा, ''एक विस्तृत जांच के बाद, सेबी ने उस बात की पुष्टि की है जो हम हमेशा से कहते आए हैं कि हिंडनबर्ग के दावे निराधार थे। पारदर्शिता और ईमानदारी हमेशा से अदाणी समूह की पहचान रही है।'' हिंडनबर्ग ने जनवरी, 2023 में रिपोर्ट जारी कर अदाणी पर धन की हेराफेरी करने समेत अन्य आरोप लगाए थे। उसके बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। अदाणी ने कहा, ''हम उन निवेशकों का दर्द गहराई से महसूस करते हैं जिन्होंने इस धोखाधड़ी और गलत इरादे से पेश रिपोर्ट के कारण पैसा गंवाया। जो लोग झूठी बातें फैलाते हैं, उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।'' उन्होंने आगे कहा, ''भारत की संस्थाओं, भारत के लोगों और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है।'' उन्होंने 'एक्स' पर अंत में लिखा है, ''सत्यमेव जयते! जय हिंद।

जीएसटी सुधारों से अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड़ रुपये आएंगे : सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल के सुधारों से अर्थव्यवस्था के भीतर लगभग दो लाख करोड़ रुपये आएंगे जिससे सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी। सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार दरों में कटौती, अनुपालन में आसानी और अस्पष्टता को दूर करने के

लिए डिजाइन किए गए थे, जिससे पश्चिम बंगाल में गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, एमएसएमई और कई उद्योगों को फायदा होगा। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ''दरों में कटौती का जीएसटी परिषद का फैसला इसलिए संभव हुआ क्योंकि राज्य सहयोग की भावना से एक साथ आए। जीएसटी में कोई देने–लेने वाला मॉडल नहीं है। अगर राजस्व कम होता है, तो केंद्र भी उतना ही वहन करता है। जीएसटी परिषद की महीने की शुरुआत में हुई बैठक में कर दरों को चार के बजाय दो स्लैब में ही रखने का फैसला किया गया। अब सिर्फ पांच और 18 प्रतिशत की दर से कर लगेगा।

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को दी मात, रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत दर्ज की

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से हराकर सुपर–4 में जगह बना ली। गुरुवार को अबु धाबी में खेले गए एशिया कप के 11वें मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने मोहम्मद नबी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 171 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अबु धाबी। श्रीलंका ने अफगानिस्तान को रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से हराकर सुपर–4 में जगह बना ली। गुरुवार को अबु धाबी में खेले गए एशिया कप के 11वें मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने मोहम्मद नबी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 171 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान कुसल मेंडिस ने नाबाद 74 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, अफगानिस्तान के लिए मुजीब उर रहमान, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी और नूर अहमद ने एक–एक विकेट झटके। इससे पहले अफगानिस्तान के लिए नुवान तुषारा ने चार विकेट झटके थे जबकि दुष्मंथा चमीरा, दुनिथ वेलालागे और दसुन शनाका को एक–एक सफलता मिली।

ग्रुप बी से श्रीलंका और बांग्लादेश ने किया क्वालिफाई

अफगानिस्तान के लिए यह करो या मरो की स्थिति वाला मैच था। हालांकि, टीम इस मौके का भरपूर लाभ नहीं उठा पाई और मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, श्रीलंका ने दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक और +1.546 के नेट रन रेट से सुपर–4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। इसके साथ–साथ बांग्लादेश भी ग्रुप बी से सुपर–4 में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान की टीमें सुपर–4 में पहुंचीं।

श्रीलंका की पारी

श्रीलंका की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने जल्दी ही पहला विकेट गंवा दिया। पथुम निसंका सिर्फ 6

रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अजमतुल्लाह उमरजई ने गेंदबाज़ी पर मुजीब उर रहमान के हाथों कैच कराया। दूसरा झटका कामिल मिश्रा के रूप में लगा। उन्हें मोहम्मद नबी ने इब्राहिम जादरान के हाथों कैच कराया। मिश्रा केवल 4 रन ही बना पाए। इसके बाद श्रीलंका की पारी को कुसल मेंडिस ने संभाला। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 74 रन बनाए और अपनी पारी में 10 चौके लगाए। उनके अलावा कुसल परेरा ने 28 रन, चरिथ असलंका ने 17 रन और कामिंदु मेंडिस ने नाबाद 26 रन का योगदान दिया।

अफगानिस्तान की पारी

अफगानिस्तान की इस मैच में शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहला विकेट 26 रन पर गंवाया, जब रहमनुल्लाह गुरबाज आउट हुए। इसके बाद 32 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। नुवान तुषारा ने करीम जनत को बोल्ड किया, जो सिर्फ 1 रन बना सके। तुषारा ने ही तीसरा विकेट भी लिया। उन्होंने सेदिकुल्लाह अटल को बोल्ड किया, जो 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चौथा झटका दुष्मंथा चमीरा ने दिया। उन्होंने डारविश रसूली को कुसल परेरा के हाथों कैच कराया। रसूली ने 9 रन बनाए। इसके बाद 12वें ओवर में दसुन शनाका ने अजमतुल्लाह उमरजई को बोल्ड किया। वह केवल 6 रन ही बना पाए। छठा विकेट इब्राहिम जादरान का गिरा, जिन्हें वेलालागे ने आउट किया। उन्होंने 24 रन बनाए। कप्तान राशिद खान को भी तुषारा ने बोल्ड किया। राशिद ने 23 गेंदों पर 24 रन बनाए। 137 रन पर सात विकेट खो चुकी अफगानिस्तान की टीम को मोहम्मद नबी ने संभाला। उन्होंने आखिरी ओवर में 5 गेंदों पर लगातार 5 छक्के लगाए और स्कोर को 170 के करीब पहुंचा दिया। नबी ने तूफानी बल्लेबाज़ी करते हुए केवल 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 22 गेंदों में 60 रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंका के वेलालगे पिता के निधन के कारण स्वदेश लौटे, मलिंगा और नबी ने जताया दुख

अबू धाबी। श्रीलंका के दुनीथ वेलालगे अपने पिता सुरंगा के निधन के कारण यहां चल रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के बीच से सदस्य लौट गए हैं। उनके पिता का निधन गुरुवार को हुआ। उसी दिन यह ऑलराउंडर यहां अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप बी लीग मैच खेल रहा था। वेलालगे को अपने पिता के निधन की खबर मैच के बाद ही पता चली और वह सबसे पहले उपलब्ध उड़ान से कोलंबो के लिए रवाना हो गए। यह स्पष्ट नहीं है कि यह 22 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में वापसी करेगा या नहीं। श्रीलंका सुपर 4 में अपना पहला मैच शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद उसका सामना 23 सितंबर को पाकिस्तान से और 26 सितंबर को भारत से होगा।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि श्रीलंका के कोच और पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सनथ जयसूर्या वेलालगे के पास आते हैं, उनके कंधे पर हाथ रखकर धीरे–धीरे उन्हें सांत्वना देते हैं और पिता के निधन की सूचना देते हैं। उस दौरान दुनिथ भावुक नजर आए। दुनिथ के पिता सुरंगा वेलालगे भी क्रिकेटर रहे थे। उन्होंने प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज की कप्तानी की थी।

हालांकि उन्हें कभी श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला। श्रीलंका के पूर्व कप्तान लसिथ मलिंगा ने एक्स पर लिखा, श्दुनीथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे के निधन से बहुत दुखी हूं। परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। दुनीथ हिम्मत रखो। इस मुश्किल समय में पूरा देश आपके और आपके परिवार के साथ खड़ा है।श वहीं, अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने भी संवेदना व्यक्त की और लिखा, दुनिथ वेलालागे को उनके पिता के निधन पर हार्दिक संवेदनाएं। मजबूत बने रहो भाई।

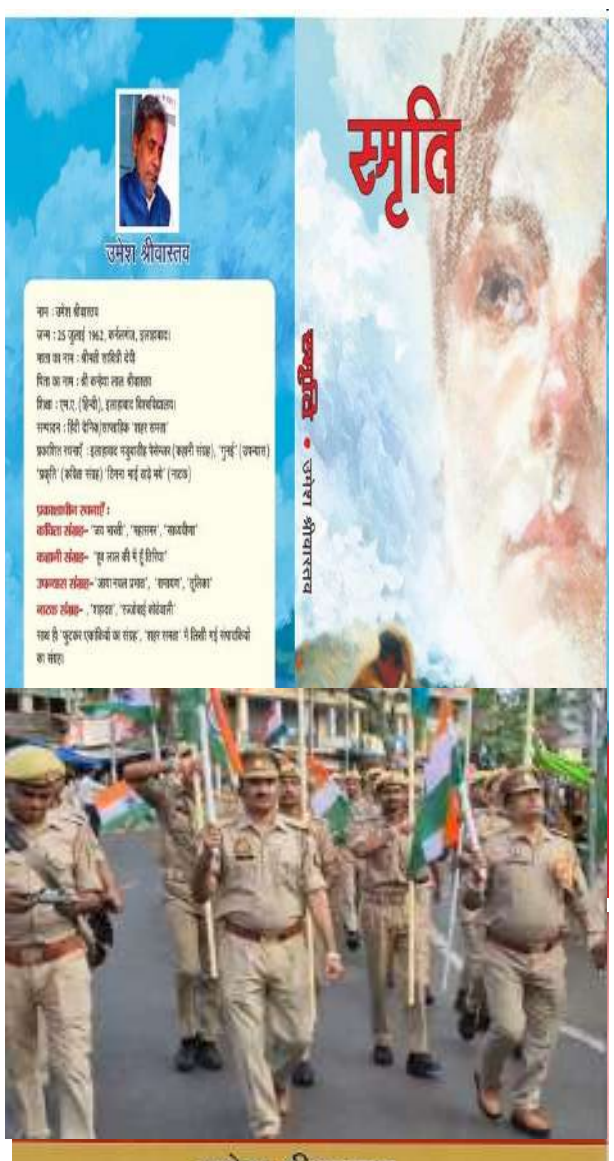

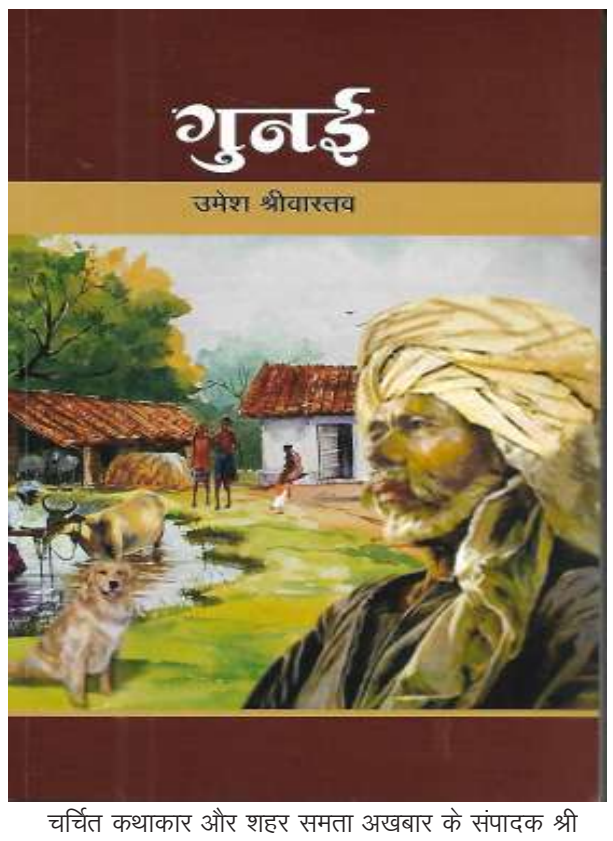

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

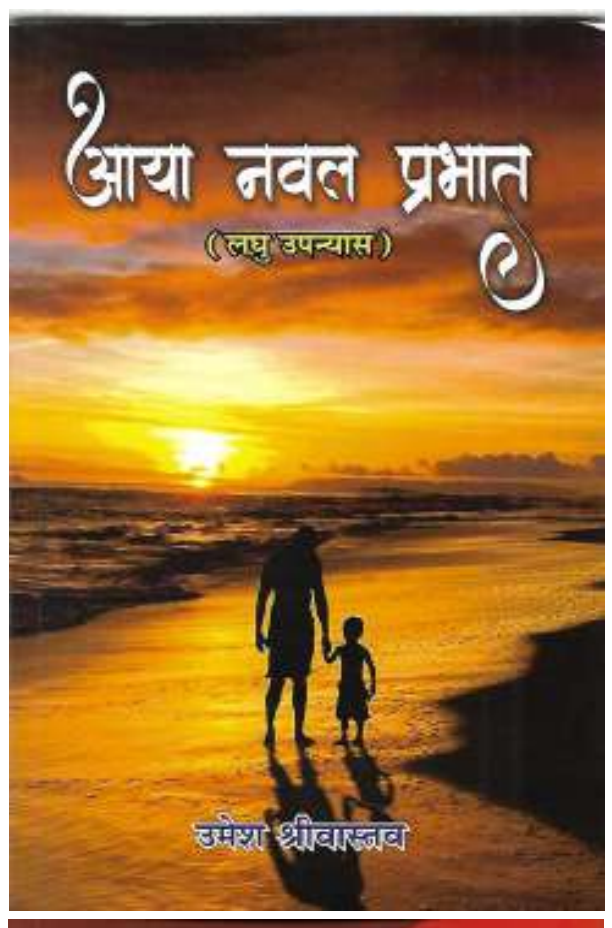

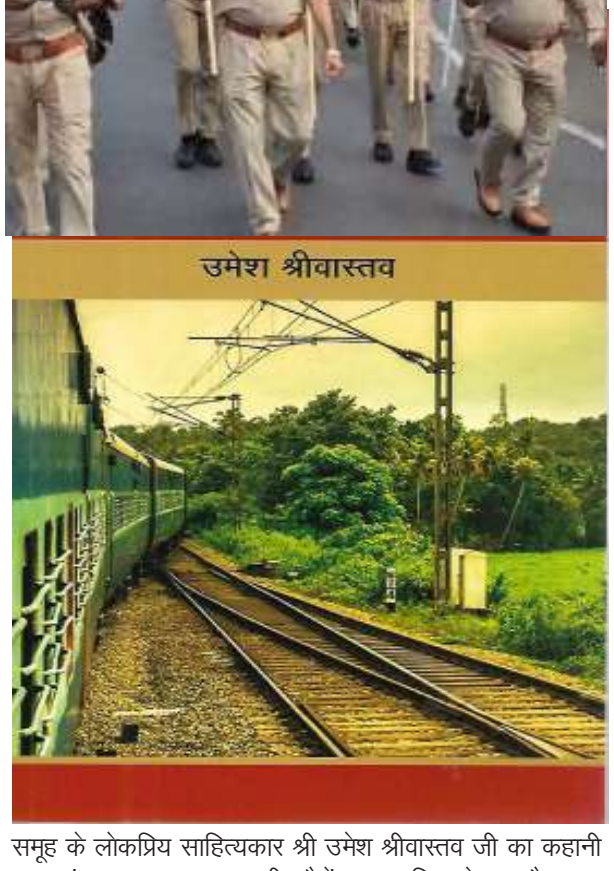

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

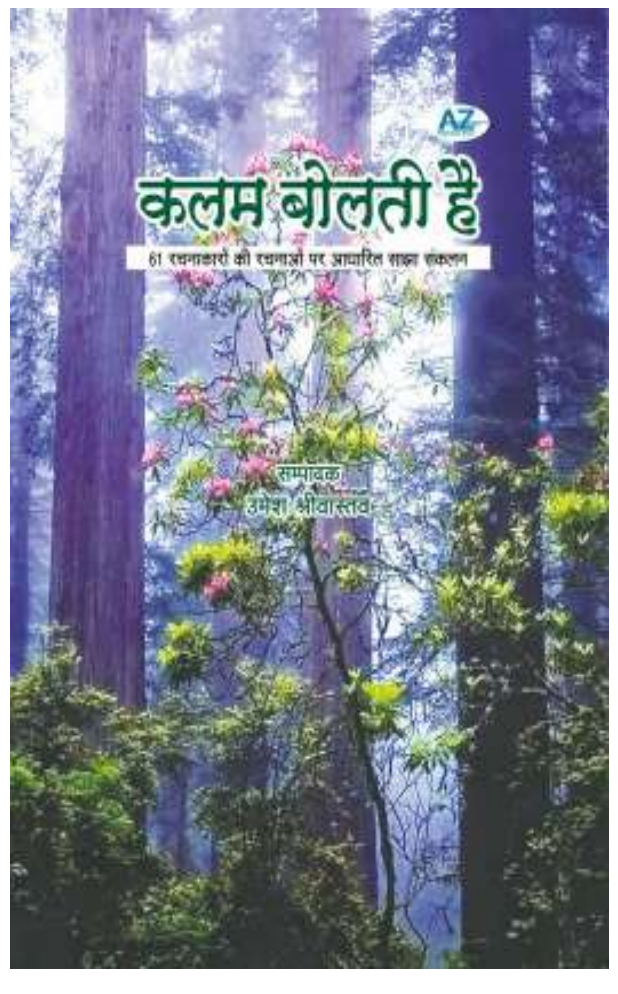

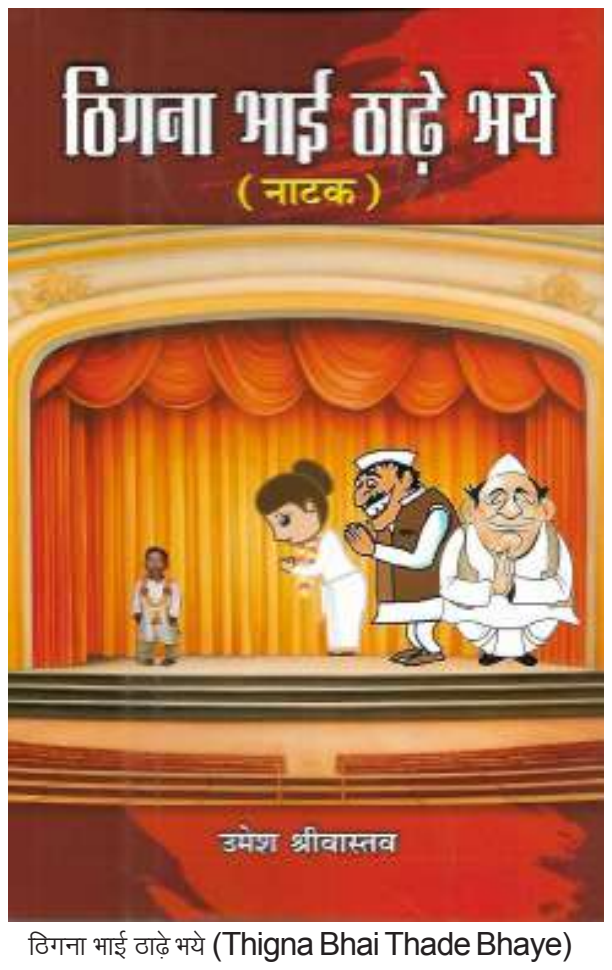

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नेपालः बैरक छोड़कर निजी आवास गए ओली

नेपाली सेना की सुरक्षा में नौ दिन बिताने के बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली सैन्य बैरक से निकलकर एक निजी आवास चले गए। 'जेन–जेड' का विरोध प्रदर्शन हिंसक होते ही ओली बैरक में चले गए थे और उन्होंने नौ सितंबर को पद छोड़ दिया था। यह बैरक संभवतः काठमांडू के उत्तर में शिवपुरी वन क्षेत्र में है। 'जेन जेड' उस पीढ़ी को कहा जाता

है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है। नेपाल सेना के सूत्रों ने पुष्टि की है कि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी–लेनिनवादी) (सीपीएन–यूएमएल) के अध्यक्ष नौ दिन सेना की सुरक्षा में रहने के बाद एक निजी स्थान पर चले गए हैं। हालांकि अभी उनके रहने के स्थान की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया की खबरों के अनुसार, ओली काठमांडू से 15 किलोमीटर पूर्व में भक्तपुर जिले के गुंडू इलाके में एक निजी घर में रहने चले गए हैं। विरोध प्रदर्शन के दूसरे दिन नौ सितंबर को 'जेन जेड' प्रदर्शनकारियों ने भक्तपुर के बालकोट में उनके आवास को जलाकर राख कर दिया था। 'जेन जेड' प्रदर्शनकारियों द्वारा नौ सितंबर को ही बालकोट में प्रधानमंत्री कार्यालय को आंशिक रूप से जला दिया था और उस समय ओली नेपाल के प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर थे। हालांकि नेपाल की सेना की मदद से ओली सुरक्षित बच निकले और सेना ने उन्हें बचाने के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा था।

दक्षिण–पश्चिम पाकिस्तान में कुछ घंटों के अंतराल पर हुए दो बम विस्फोटों में आठ लोगों की मौत, 23 घायल

पाकिस्तान के उग्रवाद प्रभावित दक्षिण–पश्चिम में बृहस्पतिवार को कुछ घंटों के अंतराल पर हुए दो कार बम विस्फोटों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी इलाही बख्श ने बताया कि पहला हमला बलूचिस्तान प्रांत के तुर्बत जिले में उस वक्त हुआ, जब एक आत्मघाती हमलावर ने एक वाहन को सुरक्षा काफिले से टकरा दिया। उन्होंने बताया कि हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए और 23 घायल हो गए। सरकारी प्रशासक इम्तियाज अली ने बताया कि कुछ घंटों बाद, दक्षिण–पश्चिमी शहर चमन में अफगान सीमा के पास एक और कार बम विस्फोट हुआ, जिसमें छह लोग मारे गए। हालांकि किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन शक की सूई पाकिस्तानी तालिबान और बलूच अलगाववादियों की ओर है,जो अक्सर प्रांत में सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बनाते हैं।

भारतीय आईटी इंजीनियर को अमेरिकी पुलिस ने गोलियों से भूना, परिवार को दो हफ्ते बाद मिली बेटे की मौत की खबर

तेलंगाना के 30 साल के स्टूडेंट मोहम्मद निजामुद्दीन की कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में पुलिस ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। आरोप है कि उसने अपने रूममेट पर चाकू से हमला किया था। यह घटना 3 सितंबर को हुई, लेकिन उसके परिवार को उसकी मौत की खबर दो हफ्ते बाद मिली। निजामुद्दीन के पिता, रिटायर्ड टीचर हुसैनुद्दीन ने ज्व्ः को बताया कि उन्हें 18 सितंबर को कर्नाटक के रायचूर में रहने वाले अपने बेटे के दोस्त से यह खबर मिली, जो खुद भी सांता क्लारा में रहता है। महमूदबाद जिले का रहने वाला मृतक मोहम्मद निजामुद्दीन 2016 में हायर एजुकेशन के लिए फ्लोरिडा कॉलेज गया था। परिवार के अनुसार, डै पूरा करने के बाद वह एक कंपनी में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगा और प्रमोशन के बाद कैलिफोर्निया चला गया। उसके पिता मोहम्मद हुसैनुद्दीन ने अपने बेटे के दोस्त से मिली जानकारी के आधार पर न्यूज एजेंसी च्ज्ः को बताया कि यह घटना 3 सितंबर को हुई थी, लेकिन उस दिन ठीक क्या हुआ, यह साफ नहीं है। हुसैनुद्दीन ने केंद्र सरकार से अपने बेटे का शव वापस लाने में मदद करने की गुजारिश की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा, आज सुबह मुझे पता चला कि सांता क्लारा पुलिस ने निजामुद्दीन की गोली मारकर हत्या कर दी और उसका शव कैलिफोर्निया के सांता क्लारा के किसी अस्पताल में है। मुझे नहीं पता कि पुलिस ने उसे क्यों मारा।

सांता क्लारा पुलिस डिपार्टमेंट (ब्च्क) ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि 3 सितंबर को सुबह 6.08 बजे स्थानीय समय पर 911 पर एक कॉल आई कि एक घर में चाकूबाजी हुई है। ष्कॉल करने वाले ने कहा कि आरोपी ने घर में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला किया था।ष् ब्च्क अधिकारी मौके पर पहुंचे, आरोपी से मुठभेड़ हुई और गोलीबारी हुई। आरोपी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घायल व्यक्ति को भी अस्पताल ले जाया गया और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी को कोई चोट नहीं लगी। पुलिस प्रमुख कोरी मॉर्गन ने बताया कि दो रूममेट के बीच झगड़ा हिंसक हो गया और पुलिस के पहुंचने से पहले ही एक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। जब पुलिस घर में घुसी तो निजामुद्दीन कथित तौर पर चाकू लिए हुए था और दोबारा हमला करने की धमकी दे रहा था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

ब्रिटेन ने डोनाल्ड ट्रंप का शाही स्वागत कर उनके मन में 'विश्व सम्राट' होने की भावना और गहरी कर दी है

ब्रिटेन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जो स्वागत किया गया, उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया कि आधुनिक लोकतंत्रों में शाही तामझाम की जगह क्या है। विंडसर कैसल का भ्रमण, अश्व–रथ की सवारी और सेंट जॉर्ज हॉल में आयोजित भव्य राजकीय भोज, यह सब किसी बीते युग की झलक जैसा लग रहा था न कि 21वीं सदी की लोकतांत्रिक मर्यादा। हम आपको बता दें कि ब्रिटिश राजपरिवार ने जिस तरह ट्रंप को "राजसी अतिथि" की तरह संतुष्ट करने की कोशिश की, उसका राजनीतिक और आर्थिक गणित साफ़ था। ब्रिटेन ब्रेक्ज़िट के बाद लगातार आर्थिक सुस्ती झेल रहा है और विश्व अर्थव्यवस्था में उसकी हैसियत धीरे–धीरे पीछे खिसक रही है। कभी उपनिवेश साम्राज्य के बल पर विश्व की धुरी रहा यह द्वीप अब छठे स्थान तक फिसल चुका है और भारत उसे पीछे छोड़ चुका है। ऐसे में अमेरिकी निवेश की 204 अरब डॉलर की सौगात ने ब्रिटिश नेतृत्व को मजबूर किया कि वह ट्रंप के

सामने शाही वैभव का पूरा प्रदर्शन करे। हालाँकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि यह राशि अभी केवल "वादा" है, वास्तविकता में इसे अमली जामा पहनाना ब्रिटेन के लिए आसान नहीं होगा। परंतु इतना तो निश्चित है कि इस शाही प्रदर्शन से ब्रिटेन ने ट्रंप जैसे नेता के अहंकार को संतुष्ट किया और कुछ समय के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को चमकाया। लेकिन यहां यह प्रश्न प्रासंगिक है कि क्या लोकतंत्रों को अब भी इस तरह के शाही दिखावे की ज़रूरत है? द्वितीय विश्वयुद्ध और साम्राज्यवाद की समाप्ति को आठ दशक हो चुके हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों के परिपक्व होने के बावजूद, ब्रिटेन जैसे देश अब भी औपचारिक तामझाम में उलझे दिखाई देते हैं। असल में यह आकर्षण केवल प्रतीकों तक सीमित नहीं है; यह उस मानसिकता को भी दर्शाता है जिसमें सत्ता का वैभव जनता के बीच दूरी और श्रेष्ठता की दीवार खड़ी करता है। इतिहास इस बात का गवाह है कि सादगी में भी अपार शक्ति होती है। 1931 में जब महात्मा गांधी केवल धोती और चादर में बकिंघम पैलेस पहुँचे थे तो चर्चिल ने उन्हें "आधा नंगा फ़कीर" कहकर उपहास उड़ाया था। लेकिन दुनिया ने देखा कि इसी प्रतीकात्मक सादगी ने साम्राज्यवादी सोच को चुनौती दी थी। यही नहीं, रोमन सम्राट मार्कस ऑरेलियस ने भी अपने समय में बाहरी आडंबर के प्रति सावधान किया था। देखा जाये तो लोकतंत्र का मूल भाव यही है कि नेता जनता के बीच से आता है और उसी का प्रतिनिधि होता है। यदि नेता अपने को शाही तामझाम के सहारे ऊँचा दिखाने लगे तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ विश्वासघात है। शाही परंपराएँ इस विचार को पोषित करती हैं कि शासक अपने नागरिकों से अलग और ऊँचे दर्जे का होता है। घोड़े, हाथी, तोपों की सलामी या दरबारी ठाठ, ये सब लोकतंत्र में अप्रासंगिक प्रतीक होने चाहिए, न कि गर्व का विषय। आज के दौर में जब वैश्विक राजनीति समानता, साझेदारी और पारदर्शिता पर ज़ोर देती है, तब ब्रिटेन का यह वैभव प्रदर्शन लोकतंत्र की सादगी और आत्मनिर्भरता की भावना से दूर जाता है। गांधी का आदर्श यही संदेश देता है कि सादगी ही असली शक्ति है। ऐसा लगता है कि ब्रिटेन के लिए यह सच स्वीकार करना कठिन है कि उपनिवेशों के बिना वह अब एक साधारण द्वीप राष्ट्र है, जिसकी ताक़त उसके नागरिकों और संस्थाओं में है, न कि राजसी ठाठ में। ट्रंप को खुश करने के लिए किए गए आयोजन क्षणिक परिणाम ला सकते हैं, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह लोकतांत्रिक आदर्शों को कमजोर करते हैं। लोकतंत्रों को अब यह समझ लेना चाहिए कि असली गरिमा सादगी, पारदर्शिता और जन–समानता में है। 80 वर्ष पहले महात्मा गांधी ने यह राह दिखा दी थी। सवाल यह है कि क्या बाकी दुनिया अब भी उस मार्ग को अपनाने के लिए तैयार है, या फिर पुरानी परंपराओं की जकड़ में रहकर केवल दिखावे की राजनीति करती रहेगी। बहरहाल, ब्रिटेन ने डोनाल्ड ट्रंप का जिस अंदाज़ में स्वागत किया, उससे भविष्य में एक समस्या भी खड़ी हो सकती है। ट्रंप को शाही सम्मान देकर ब्रिटेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के राजनीतिक अहंकार को और पोषित कर दिया है। ट्रंप पहले ही खुद को विश्व का सम्राट समझते हैं, लंदन में हुए शाही स्वागत के बाद उनके मन में यह भावना और प्रबल हो सकती है। ऐसे में अब जो देश उनकी बात नहीं सुनेगा उसके खिलाफ वह तानाशाह सम्राट की भावना से ओतप्रोत होकर कोई कदम उठा सकते हैं।

रूस में 7.8 तीव्रता का भूकंप!!

आखिर रूस के कामचटका क्षेत्र में क्यों आता है इतना शक्तिशाली भूकंप, बड़ा कारण

रूस के दूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने इसे जुलाई में आए बड़े भूकंप का श्पश्च–कंपनश बताया है। शुक्रवार सुबह आए इस भूकंप के बाद क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी की गई, लेकिन कुछ तटों पर लहरें आने के बावजूद नुकसान की कोई खबर नहीं है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (न्ैळै) के अनुसार, भूकंप का केंद्र क्षेत्रीय राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क–कामचत्स्की से 128 किलोमीटर (80 मील) पूर्व में, 10 किलोमीटर (छह मील) की गहराई पर था। कामचटका प्रायद्वीप रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जो प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्से को घेरने वाला एक बड़ा प्लेट टेक्टोनिक क्षेत्र है। यह क्षेत्र अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोटों के लिए जाना जाता है, क्योंकि पृथ्वी की कई प्रमुख प्लेटें लगातार एक–दूसरे से टकराती रहती हैं।

7.8 तीव्रता का भूकंप रूस के दूर पूर्वी कामचटका क्षेत्र में आया

शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप रूस के कामचटका क्षेत्र में आया। अधिकारियों ने सुनामी अलर्ट जारी किया, जिसे बाद में हटा दिया गया। वीडियो में इमारतें हिलती, फर्नीचर और लाइटें हिलती हुए दिखाई दिए, जबकि एक अन्य क्लिप में सड़क पर खड़ी एक कार ज़ोर से हिलती हुई दिखाई दी।

दो महीनों में कई शक्तिशाली भूकंप

मजबूत भूकंप के बाद कई हल्के झटके महसूस किए गए, जिनमें सबसे बड़ा 5.8 तीव्रता का था। भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला कामचटका क्षेत्र पिछले दो महीनों में कई शक्तिशाली भूकंपों से प्रभावित हुआ है। इनमें 8.8 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप और 7.4 तीव्रता के दो भूकंप शामिल हैं। पिछले शनिवार को भी कामचटका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया था। न्ैळै के अनुसार, भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क–कामचत्स्की से 111.7 किमी पूर्व में था और इसकी गहराई 39 किमी थी। यह भूकंप ऐसे समय में आया है, जब रूस के कामचटका प्रायद्वीप में जुलाई में 8.8 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया था। इससे पूर्वी रूस में ज़बरदस्त भूकंपीय लहरें उठीं और जापान, अमेरिका और प्रशांत महासागर के कई द्वीपीय देशों सहित कई देशों में सुनामी अलर्ट जारी किया गया था।

कामचटका क्षेत्र में भूकंप क्यों आते रहते हैं?

यह ध्यान देने योग्य है कि रूस का कामचटका क्षेत्र भूकंप के लिहाज से बहुत संवेदनशील है, क्योंकि यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक, पैसिफिक रिंग ऑफ फायर में स्थित है। यह क्षेत्र उस सीमा पर है जहाँ पैसिफिक प्लेट और नॉर्थ अमेरिकन प्लेट आपस में टकराती हैं और एक–दूसरे के नीचे खिसकती हैं, जिससे बहुत ज़्यादा टेक्टोनिक दबाव बनता है। प्लेटों की यह लगातार हलचल अक्सर भूकंपीय गतिविधियों को जन्म देती है, जिसमें हल्के से लेकर ज़बरदस्त भूकंप शामिल हैं। कामचटका में कई सक्रिय ज्वालामुखी भी हैं, जो यहाँ के अस्थिर भूवैज्ञानिक परिवेश को और भी स्पष्ट करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, इस क्षेत्र में दुनिया के सबसे शक्तिशाली भूकंप आए हैं, जो इसे भूकंपीय खतरों का एक प्राकृतिक हॉटस्पॉट बनाता है।

पेंसिल्वेनिया में तीन पुलिस अधिकारियों की गोली मारकर हत्या, 2 घायल, आरोपी भी ढेर

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया प्रांत में घरेलू विवाद की जांच करने पहुंचे पुलिस टीम पर एक व्यक्ति ने गोलीबारी की। इसमें 3 पुलिस अफसरों की मौत हो गई और 2 घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने हमलावर को मार गिराया। यह घटना फिलाडेल्फिया से करीब 185 किमी पश्चिम में स्थित नॉर्थ कोडोरस टाउनशिप में हुई। पुलिस के अनुसार, घरेलू विवाद मंगलवार को शुरू हुआ।

इसकी जांच के सिलसिले में पुलिस टीम बुधवार (अमेरिकी दिन के अनुसार) को मौके पर पहुंची, तभी अचानक फायरिंग शुरू हो गई। मामला जांच में होने से हमलावर और घरेलू विवाद से जुड़े लोगों की पहचान उजागर नहीं की गई है। पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने घटना पर दुख जताया है। इस घटना से इलाके के स्कूलों में एहतियातन 'शेल्टर–इन–प्लेस' घोषित किया था। यानी स्कूलों में कोई आ–जा नहीं सकता।

पाम बॉन्डी ने एक बयान जारी किया

घटना के तुरंत बाद, अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने पुलिस के खिलाफ हिंसा को हमारे समाज पर एक अभिशाप बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए संघीय एजेंट घटनास्थल पर मौजूद हैं। पेंसिल्वेनिया के उपराज्यपाल ऑस्टिन डेविस ने एक अलग सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कृपया यॉर्क काउंटी में हुई गोलीबारी में शामिल अधिकारियों और अन्य लोगों के लिए प्रार्थना करें। इस बीच, पेंसिल्वेनिया के अटॉर्नी जनरल डेव संडे ने कहा कि वह भी घटनास्थल पर जाएँगे।

अपनी पोस्ट में इस घटना के मद्देनजर, स्थानीय स्कूल ज़िले ने आश्रय–स्थल आदेश जारी किया, हालाँकि उसने कहा कि स्कूल और छात्र गोलीबारी में शामिल नहीं थे।

रूस–भारत की दोस्ती तोड़ने की कोशिश! करीब आ रहे हैं चीन–अमेरिका!

ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच होगी कुछ बड़ी डील!

सोचने की बाद है कि इतने लंबे समय से अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध पर अचानक अमेरिका कैसे नरम पड़ रहा है। हाल ही में भारत–रूस–चीन को साथ देखकर शायद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिमाग में कुछ पक रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले काफी समय से भारत के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे।डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद हालात काफी खराब हो गये थे। रूस और भारत के अच्छे संबंध

हैं। ऐसे में अमेरिका ने भारत पर ये भी आरोप लगाया कि रूस से तेल खरीद कर भारत युक्रेन युद्ध में रूस का सहयोग कर रहा है। तमाम अरोपों के बाद भारत सारे विवाद साइड में रख कर चीन के साथ खड़ा हुआ। रूस, चीन और को साथ देखकर अमेरिका कांप गया और अब कह सकते है कि ट्रंप चीन से नजदीकियां बढ़ाना चाहते हैं। इसी वजह से शायद वह टिकटॉक डील भी कर सकते हैं। टिकटॉक पर लंबे समय से प्रतीक्षित डील जल्द होने वाली है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग शुक्रवार को इस पर चर्चा करने वाले हैं। दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों ने इस सप्ताह एक श्फ्रेमवर्कश समझौता किया है, जिसके अनुसार टिकटॉक के अमेरिकी ऑपरेशन को अमेरिकी कंपनियों के एक समूह को बेचा जा सकता है। अगर यह डील होती है, तो इसे अमेरिका–चीन व्यापार वार्ता में एक दुर्लभ सफलता माना जाएगा – और यह एक ऐसा मुद्दा सुलझा देगा जो सालों से सुर्खियों में था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के नेता शी जिनपिंग से सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक को अमेरिका में संचालित करने की अनुमति देने के संबंध में तथा दोनों देशों के बीच संबंधों पर शुक्रवार को चर्चा कर सकते हैं। इस बातचीत से यह भी संकेत मिल सकता है कि क्या दोनों नेता व्यापार युद्ध को समाप्त करने के वास्ते अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करेंगे या नहीं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं मैं टिकटॉक और व्यापार पर शुक्रवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत करने वाला हूं। हम इन सभी मुद्दों पर समझौते के बहुत करीब हैं।'' ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ उनके संबंध 'बहुत अच्छे' हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर यूरोपीय देश चीन पर ज़्यादा शुल्क लगाएं तो रूस, यूक्रेन में जारी युद्ध बंद कर सकता है। ट्रंप ने हालांकि इस पर कुछ नहीं कहा कि क्या वह रूस से तेल खरीदने के लिए भारत की ही भांति चीन पर भी शुल्क बढ़ाने की योजना बना रहे हैं या नहीं। वहीं, वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने बृहस्पतिवार को नेताओं के बीच किसी आगामी शिखर सम्मेलन या फोन पर बातचीत की पुष्टि नहीं की लेकिन चीनी अधिकारी लियू पेंग्यू ने कहा कि ''राष्ट्राध्यक्षों की कूटनीति चीन–अमेरिका संबंधों को रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने में एक अहम भूमिका निभाती है।'' वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक 'स्टिमसन सेंटर' में 'चीन कार्यक्रम' के निदेशक सन यून ने सकारात्मक चर्चा की उम्मीद जताई है। सन ने कहा, दोनों पक्षों की इच्छा है कि शिखर सम्मेलन हो क्योंकि इससे व्यापार समझौते और अन्य मुद्दों के हल होने की उम्मीद है।

ट्रंप ने ब्रिटेन की राजकीय यात्रा समाप्त की, भव्य स्वागत के लिए आभार जताया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ब्रिटेन की अपनी दूसरी राजकीय यात्रा के दौरान उनके भव्य स्वागत और शानदार आतिथ्य के लिए बेहद आभारी हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी अपनी यात्रा के समापन पर की। उनकी यह यात्रा मुश्किल व्यापार और भू–राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक मतभेदों से काफी हद तक बची रही।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।